संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

वर्ष-20 अंक- 324
पृष्ठ 8
मंगलवार
13 अगस्त 2024
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

शहर समता

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- फल से ज्यादा सेब का छिलका..
विचार- कोचिंग और निजी चिकित्सा क्षेत्र का सच
खेल- दलीप ट्रॉफी पहले दौर का मैच बेंगलुरू...

सीएम योगी आदित्यनाथ ने बाढ़ प्रभावित इलाकों के किसानों को बड़ी राहत

किसानों को खेतों से सिल्ट हटाने के लिए दी गई 32,55,872 रुपये की धनराशि

लखनऊ, एजेंसी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बाढ़ प्रभावित इलाकों के किसानों को बड़ी राहत दी है। उन्होंने पहली बार बाढ़ की वजह से खेतों में जमी सिल्ट को हटाने के लिए किसानों को सहायता धनराशि देकर नया कीर्तिमान स्थापित किया है। यह उत्तर प्रदेश के इतिहास में पहली बार है जब किसी मुख्यमंत्री ने खेतों से सिल्ट हटाने के लिए किसानों को मुआवजा दिया है। सीएम योगी की इस पहल का किसानों ने स्वागत करते हुए खुशी जाहिर की। बाढ़ प्रभावित लखीमपुर खीरी के 311 किसानों को सिल्ट हटाने के लिए 32 लाख से अधिक का मुजावआ भी दिया जा चुका है। इस पर लाभार्थियों ने सीएम योगी का आभार जताते हुए उन्हें अपना मसीहा बताया और राहत कार्यों की जमकर

तारीफ की है। राहत आयुक्त जीएस नवीन ने बताया कि उत्तर प्रदेश आपदा की दृष्टि से काफी संवेदनशील है। यह बात मुख्यमंत्री योगी भली-भांति जानते हैं और इसको लेकर काफी गंभीर भी हैं। यही वजह है कि मुख्यमंत्री ने पिछले साढ़े सात वर्षों में आपदा के न्यूनीकरण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाये हैं। साथ ही, वह आपदा प्रभावितों की हर संभव मदद के लिए अलर्ट भी रहते हैं। उन्होंने पिछले साढ़े सात वर्षों में आपदा प्रभावितों की मदद के लिए कई प्राकृतिक घटनाओं को आपदा में शामिल किया। इसी के तहत उत्तर प्रदेश में पहली बार बाढ़ से खेतों में जमी सिल्ट को हटाने के लिए किसानों को मुआवजा दिया गया। आपदा गाइडलाइन के अनुसार बाढ़ से जिन किसानों के खेतों में रेत या गाद निक्षेप की मोटाई तीन सेंटीमीटर से अधिक होती है, उन्हें सिल्ट होने के लिए मुआवजा दिया जाता है। उक्त किसानों को 18 हजार रुपये प्रति हेक्टेयर तथा न्यूनतम 2,200 रुपये प्रति किसान की दर से मुआवजा दिया जाता है। ऐसे में, सीएम योगी की मंशा के अनुरूप प्रदेश में पहली बार इस वित्तीय वर्ष में लखीमपुर खीरी के किसानों को खेतों से सिल्ट हटाने के लिए मुआवजा दिया गया है। राहत आयुक्त ने बताया कि लखीमपुर खीरी की डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल ने पहली बार किसानों को सिल्ट हटाने का मुआवजा देने की पहल कर प्रदेश के अन्य जिलाधिकारियों के लिए मिसाल पेश की है। लखीमपुर खीरी की जिलाधिकारी दुर्गा शक्ति नागपाल ने बताया कि शासन की गाइडलाइन के अनुसार जिले के 311 किसानों को खेतों से सिल्ट हटाने के लिए 32, 55, 872 रुपये की धनराशि वितरित की गई है। इसमें, लखीमपुर तहसील के 105 किसानों को 36.7841 हेक्टेयर क्षेत्रफल से सिल्ट हटाने के लिए 6,75,941 रुपये की धनराशि वितरित की गई। इसी तरह, निघासन तहसील के 42 किसानों को 25.8283 हेक्टेयर क्षेत्रफल से सिल्ट हटाने के लिए 4,72,407 रुपये तथा धौरहरा तहसील के 39 किसानों को 34.1252 हेक्टेयर क्षेत्रफल से सिल्ट हटाने के लिए 6,11,060 रुपये जारी किये गये हैं। वहीं, गोला तहसील के 81 किसानों को 49.3897 हेक्टेयर क्षेत्रफल से सिल्ट हटाने के लिए 9,06,691 रुपये तथा पलिया तहसील के 44 किसानों को 32.7652 हेक्टेयर क्षेत्रफल से सिल्ट हटाने के लिए 5,89,773 रुपये सहायता धनराशि के रूप में दिये गये।

मेघालय के मुख्यमंत्री ने अमित शाह से मुलाकात की

बांग्लादेश की स्थिति पर हुई चर्चा

नई दिल्ली, एजेंसी। मेघालय के मुख्यमंत्री कोनराड के संगमा ने बांग्लादेश में चल रही स्थिति और भारत के पूर्वोत्तर राज्यों पर इसके संभावित प्रभाव पर चर्चा करने के लिए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात की। बैठक में उपमुख्यमंत्री प्रेस्टोन तिनसॉन्ग भी शामिल हुए, जिसमें सीमावर्ती क्षेत्रों के निवासियों के बीच बढ़ती चिंताओं पर चर्चा की गई। संगमा ने कहा कि हमने केंद्रीय गृह मंत्री के माध्यम से भारत सरकार से यह भी आग्रह किया कि यदि आवश्यक हो तो सीमावर्ती क्षेत्रों में अधिक जनशक्ति उपलब्ध कराई जा सकती है ताकि सुरक्षा को मजबूत किया जा सके। मुख्यमंत्री ने बताया कि केंद्रीय गृह मंत्री ने उन्हें आश्वासन दिया है कि भारत सरकार किसी भी व्यक्ति को सीमा पार करने की अनुमति नहीं देगी और किसी भी अनधिकृत आवाजाही को रोकने के लिए सीमा की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए व्यापक

उपाय लागू किए जा रहे हैं। संगमा ने सोशल मीडिया पर कहा कि गृह मंत्री ने स्थिति और पूर्वोत्तर के लिए इसके निहितार्थ की समीक्षा की। मुख्यमंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि भारत सरकार सीमा सुरक्षा के लिए प्रतिबद्ध है और नागरिकों से शांति और सद्भाव बनाए रखने का आग्रह किया। मुख्यमंत्री ने लिखा, ष्माननीय गृह मंत्री अमित शाह जी ने आज बांग्लादेश में चल रही स्थिति और पूर्वोत्तर पर इसके प्रभाव की समीक्षा की। बैठक के दौरान हमारे लोगों की चिंताओं और आशंकाओं को उठाया गया। भारत सरकार हमारी सीमाओं को सुरक्षित रखने के लिए प्रतिबद्ध है और सभी से शांति और सद्भाव बनाए रखने की अपील करती है।ष यह वार्ता ढाका में भारतीय सांस्कृतिक केंद्र में एक प्रतिष्ठित खासी स्वतंत्रता सेनानी यू तिरोत सिंग सिएम की मूर्ति को क्षतिग्रस्त किए जाने के बाद बढ़ते तनाव के बीच हो रही है। इस घटना से मेघालय में आक्रोश फैल गया, जिसके कारण सीमा व्यापार गतिविधियों को अस्थायी रूप से निलंबित कर दिया गया।

देशभर के रेजिडेंट डाक्टर निश्चितकालीन हड़ताल पर

नयी दिल्ली, एजेंसी। पश्चिम बंगाल की राजधानी कोलकाता के एक अस्पताल में एक महिला रेजिडेंट डाक्टर के साथ दुष्कर्म और उसकी हत्या के विरोध में सोमवार से देशभर के सरकारी अस्पतालों के रेजिडेंट डाक्टर अनिश्चितकालीन हड़ताल पर हैं। हड़ताल का आयोजन फेडरेशन आफ आल इंडिया रेजिडेंट डाक्टर एसोसिएशन ने किया है।रेजिडेंट या जूनियर डाक्टरों की अनिश्चितकालीन हड़ताल को देखते हुए देश के सभी सरकारी अस्पतालों ने व्यापक प्रबंध किये हैं जिससे आपातकालीन सेवायें बाधित नहीं हो। सभी वरिष्ठ डाक्टरों के अवकाश और दौरे रद्द कर दिये गये हैं और उन्हें संबंधित अस्पतालों के विभागों में पहुंचने को कहा गया है। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली के राम मनोहर लोहिया अस्पताल से मिली जानकारी के अनुसार ओपीडी, आपरेशन और अन्य सेवाओं को बहाल रखने के लिए उचित उपाय किये हैं। लोक नायक अस्पताल और सफदरजंग अस्पताल में ओपीडी, वैकल्पिक सर्जरी और वार्ड सेवा पूरी तरह से बंद नहीं होंगी। सफदरजंग अस्पताल में मेडिकल ऑफिसर, जनरल ड्यूटी मेडिकल ऑफिसर, विशेषज्ञ काम करेंगे। शिक्षकों को भी काम करने के लिए कहा गया है। रेजिडेंट डाक्टर दुष्कर्म और हत्या के आरोपी को कड़ी सजा देने की मांग कर रहे हैं। इस बीच कोलकाता के संबंधित अस्पताल के प्रमुख ने त्यागपत्र दे दिया है। चिकित्सकों की सुरक्षा को लेकर महासंघ ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को पत्र लिखा है और मृतक डॉक्टर के लिए शीघ्र न्याय और देश भर में सभी स्वास्थ्य देखभाल कर्मचारियों के लिए सुरक्षा मानकों को सख्ती से लागू करने की मांग की हैं।

दलितों के आरक्षण में किसी तरह की छेड़छाड़ नहीं चाहती हैं मायावती

लखनऊ, एजेंसी। बहुजन समाज पार्टी की प्रमुख मायावती उत्तर प्रदेश में 10 विधान सभा सीटों पर होने वाले उप-चुनाव और आरक्षण को लेकर काफी सक्रिय नजर आ रही है। आरक्षण के नाम पर जिस तरह से बीजेपी सहित समाजवादी पार्टी और कांग्रेस नेता दलितों के रहनुमा बनने की कोशिश कर रहे हैं, उससे सचेत मायावती ने एससी/एसटी वर्ग के आरक्षण में जातियों का उप वर्गीकरण और क्रिमी लेयर को बाहर करना दोनों खतरनाक बताया है।

कजरी - सावन

बदरी में कजरी खेलें मेरी सारी सखियाँ।
खेलेंगे कान्हा आकर करके प्यारी बतियाँ।।

जब - जब सावन में बरसे मेघा घनघोर से,
नाचे पपीहा बोले कोयलिया जोर से।
मन को जगावे बैरी खो जावे नींदियाँ,
बदरी में कजरी खेलें मेरी सारी सखियाँ।।

कोऊ चुनरिया ओढ़े पहने लहरिया ,
कउनो के बिछुआ बाजे झनके पायलिया।
मैं तो सखियाँ संग नाचूं गाओ कजरिया,
बदरी में कजरी खेलें मेरी सारी सखियाँ ।।

कजरा लगा के आई बदरा ने छीन ली,
रिमझिम बरसे है पानी मैं भी कुछ भीग ली।
घर आके पिया संग नाचूँ ऐसी बदरिया,
बदरी में कजरी खेलें मेरी सारी सखियाँ ।।

डॉ०(कु०) शशि जायसवाल
प्रयागराज, उत्तर प्रदेश।
@स्वरचित मौलिक एवं अप्रकाशित

जहानाबाद : सिद्धेश्वरनाथ मंदिर भगदड़ में सात कांवरिया की मौत, 25 घायल

जहानाबाद, 12 अगस्त (वार्ता) बिहार के जहानाबाद जिले के मखदुमपुर थाना क्षेत्र में सावन के चौथे सोमवार को श्रावणी मेले के दौरान बाबा सिद्धेश्वरनाथ मंदिर में हुयी भगदड़ में छह महिला समेत सात लोगों की दबकर मौत हो गयी तथा 25 अन्य घायल हो गये। पुलिस सूत्रों ने सोमवार को यहां बताया कि चौथी सोमवारी पर बराबर पहाड़ पर बाबा सिद्धेश्वरनाथ मंदिर में जलाभिषेक के लिए रविवार देर रात श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी थी। इस दौरान हुयी भगदड़ में छह महिला समेत सात लोगों की दबकर मौत हो गयी तथा 25 अन्य घायल हो गये। सूत्रों ने बताया कि मृतकों की पहचान पटना जिले के मसौढ़ी थाना क्षेत्र के गेल्ह विगहा निवासी राजू कुमार की पत्नी सुशीला देवी (42), शिवशंकर नगर निवासी राकेश कुमार की पत्नी किरण कुमारी (24), गया

जिले के टेकारी थाना क्षेत्र के मउ बाजार निवासी निवासी पूनम देवी (35), जहानाबाद जिले के मखदुमपुर थाना क्षेत्र के लडौआ गांव निवासी निशा कुमारी (20), परसबिगहा थाना क्षेत्र के खगडीया विगहा निवासी निशा देवी (32),पाली थाना क्षेत्र के महादेवपुर गांव निवासी बबीता कुमारी (42) और नालंदा जिले के इस्लामपुर थाना क्षेत्र के मुबारकपुर गांव निवासी प्यारे पासवान (35) के रूप में की गयी है। घायलों को मखदुमपुर रेफरल अस्पताल और जहानाबाद सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया है। गंभीर रूप से घायल दो लोगों को पटना मेडिकल कॉलेज अस्पताल (पीएमसीएच) में भर्ती कराया गया है। घटना की जानकारी के बाद पुलिस और प्रशासन की टीम मौके पर पहुंचकर राहत और बचाव में जुट गई है। शवों को पोस्टमॉर्टम के लिये भेज दिया गया है। उल्लेखनीय है कि 05 अगस्त को सावन की तीसरी सोमवारी को बिहार में वैशाली जिले के औद्योगिक थाना क्षेत्र में बिजली का करंट लगने से नौ कांवरिया की मौत हो गयी थी तथा तीन अन्य झुलस गये थे।

देश में आर्थिक अराजकता फैलाने की कोशिश हो रही हैः रविशंकर

नयी दिल्ली, एजेंसी। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने हिंडनबर्ग की रिपोर्ट के मुद्दे पर विपक्ष पर निशाना साधते हुए इसे देश में आर्थिक अराजकता फैलाने की कोशिश करार दिया है। भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री रविशंकर प्रसाद ने सोमवार को कांग्रेस सहित अन्य विपक्षी दलों पर इस मुद्दे पर हमला करते हुए कहा कि भारत में आर्थिक अराजकता फैलाने की कोशिश की जा रही है। उन्होंने हिंडनबर्ग की रिपोर्ट को विपक्ष की साजिश बताया और कहा कि यह देश को आर्थिक रूप से बर्बाद करने की कोशिश है। उन्होंने इसके लिए कांग्रेस को जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने कहा कि रिपोर्ट में जो आरोप लगाए गए हैं, उनका सिक्योरिटीज़ एंड एक्सचेंज बोर्ड ऑफ़ इंडिया (सेबी) प्रमुख माधबी पुरी बुच ने जवाब दे दिया है। श्री प्रसाद ने कहा कि कांग्रेस हिंडनबर्ग के साथ मिलकर काम कर रही है।

सपा नेता नवाब सिंह यादव पर रेप का आरोप, आपत्तिजनक हालत में गिरफ्तार

लखनऊ, एजेंसी। समाजवादी पार्टी के नेता नवाब सिंह यादव को सोमवार को 15 वर्षीय लड़की से बलात्कार का प्रयास करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया। उत्तर प्रदेश पुलिस को 112 हेल्पलाइन नंबर पर लगभग देर रात 1.30 बजे एक संकटपूर्ण कॉल प्राप्त हुई। कन्नौज के पुलिस अधीक्षक अमित कुमार आनंद ने बताया कि यह कॉल एक युवा लड़की से आई थी जिसने बताया कि उसके कपड़े उतार दिए गए थे और उसके साथ मारपीट करने का प्रयास किया गया था। पुलिस ने बताया कि मौके पर पहुंचने पर अधिकारियों ने लड़की को बचाया और नवाब सिंह यादव को गिरफ्तार कर लिया, जो ष्आपत्तिजनकष स्थिति में पाया गया। वहीं, नाबालिग पीड़िता को मेडिकल परीक्षण के लिए अस्पताल भेजा गया। भाजपा के अमित मालवीय ने इस घटना को लेकर समाजवादी पार्टी और अखिलेश यादव पर निशाना साधा है। उन्होंने एक्स पर लिखा कि अयोध्या के बाद अब कन्नौज में भी नाबालिग से रेप के प्रयास में सपा नेता गिरफ्तार। सपा सरकार के समय मिनी ब्ड कहलाया जाता था आरोपी नवाब सिंह यादव। कन्नौज में डिंपल यादव के राइट हैंड और सांसद प्रतिनिधि के रूप में है नवाब सिंह यादव की पहचान। क्या अब भी अखिलेश यादव क्छ। टेस्ट की मांग करेंगे? यूपी के मंत्री ओम प्रकाश राजभर ने कहा कि यह बहुत दुर्भाग्यपूर्ण घटना है। प्रदेश में कानून का राज है। किसी को बख्शा नहीं जाएगा। उचित कार्रवाई की जाएगी। सपा नेता कथित अयोध्या गैंगरेप की घटना के आरोपियों का डीएनए टेस्ट कराने की मांग कर रहे थे। उन्हें यहां भी डीएनए टेस्ट कराना चाहिए। पूछताछ के दौरान लड़की ने बताया कि वह अपनी बुआ के साथ यादव के घर गई थी, उसे बताया गया था कि उसे नौकरी के लिए वहां जाना है। एसपी अमित कुमार आनंद ने बताया, ष्बीएनएस और पोक्सो एक्ट की धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है।

यूजीसी-नेट 2024 रद्द करने के सरकार के आदेश के खिलाफ दायर याचिका खारिज

नई दिल्ली, एजेंसी। उच्चतम न्यायालय ने विश्वविद्यालय अनुदान आयोग- राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा (यूजीसी-नेट) 2024 को रद्द करने के केंद्र सरकार के आदेश के खिलाफ दायर जनहित याचिका को यह कहते हुए सोमवार को खारिज कर दी कि पुनर्निर्धारित

21 अगस्त को परीक्षा आयोजित करने के निर्णय में इस स्तर पर हस्तक्षेप करने से पूरी तरह अराजकता फैल जाएगी। मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति जे बी पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ ने परवीन डबास और अन्य की याचिका पर विचार करने से इनकार करते हुए कहा कि परीक्षाएं तय तिथि के अनुसार होनी चाहिए। पीठ ने कहा, ष्हम एक आदर्श दुनिया में नहीं हैं। परीक्षाएं 21 अगस्त को होने दें। विद्यार्थियों के लिए निश्चितता होनी चाहिए।ष पीठ ने कहा, ष्वर्तमान स्थिति में याचिकाकर्ताओं ने सरकार के निर्णय को चुनौती दी है। लगभग दो महीने बीत चुके हैं। याचिका पर विचार करने से अनिश्चितता बढ़ेगी और परिणामतः घोर अराजकता होगी।ष उच्चतम न्यायालय ने कहा कि उस समय नीट के मुद्दे के कारण सरकार दोगुनी सावधानी बरत रही थी और प्रश्नपत्र सार्वजनिक होने के आरोपों के कारण यूजीसी नेट परीक्षा को रद्द करने का निर्णय सरकार ने लिया था। शीर्ष अदालत ने परवीन डबास और अन्य की याचिका पर सुनवाई करते हुए कहा कि केवल 47 याचिकाकर्ता हैं, लेकिन यूजीसी नेट में नौ लाख अभ्यर्थी शामिल हो रहे हैं। यूजीसी-नेट 19 जून को आयोजित किया गया था, लेकिन मेडिकल में स्नातक स्तर के कुछ पाठ्यक्रमों में दाखिले के लिए आयोजित राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट-यूजी) में कथित अनियमितताओं के मद्देनजर इसे केंद्र ने रद्द कर दिया था।

महिला डॉक्टर की हत्या मामले में प्रियंका गांधी की ममता सरकार से अपील, बोलीं-

महिला सुरक्षा देश में बहुत बड़ा मुद्दा

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा ने सोमवार को कहा कि कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में महिला चिकित्सक के साथ कथित बलात्कार और हत्या के मामले में पश्चिम बंगाल सरकार को त्वरित और सख्त कार्रवाई करनी चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि कार्यस्थल पर महिलाओं की सुरक्षा देश में बहुत बड़ा मुद्दा है और इसके लिए ठोस प्रयास की जरूरत है। आरजी कर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल के अंदर कथित रूप से बलात्कार तथा हत्या की शिकार हुई महिला चिकित्सक का शव शुक्रवार को सुबह संगोष्ठी कक्ष में मिला था। इस मामले में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है। प्रियंका गांधी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज में ट्रेनी डॉक्टर के साथ दुष्कर्म और

हत्या की घटना दिल दहलाने वाली है। कार्यस्थल पर महिलाओं की सुरक्षा देश में बहुत बड़ा मुद्दा है और इसके लिए ठोस प्रयास की जरूरत है।'' उन्होंने कहा, ''मेरी राज्य सरकार से अपील है कि इस मामले में त्वरित और सख्त से सख्त कार्रवाई हो और पीड़िता के परिवार और साथी डॉक्टरों को न्याय मिले।'' आपको बता दें दिल्ली स्थित एम्स का रेजिडेंट डॉक्टर्स एसोसिएशन (आरडीए) सोमवार सुबह फोर्डा की देशव्यापी हड़ताल में शामिल हो गया, जिससे ओपीडी और रोगी वार्ड सहित सभी गैर-जरूरी सेवाएं निलंबित कर दी गईं। हालांकि एम्स आरडीए के महासचिव डॉ. रघुनंदन दीक्षित ने कहा कि आपातकालीन देखभाल सेवा जारी रहेगी, ताकि गंभीर रूप से बीमार मरीजों को परेशानी न हो और उन्हें उपचार मिल सके। कोलकाता में आरजी कर मेडिकल कॉलेज में ड्यूटी के दौरान परास्नातक प्रशिक्षु डॉक्टर की बलात्कार के बाद हत्या के विरोध में फेडरेशन ऑफ रेजिडेंट डॉक्टर्स एसोसिएशन (फोर्डा) ने हड़ताल का आह्वान किया था। जहां कई सरकारी अस्पतालों ने रविवार को ही हड़ताल की घोषणा कर दी थी, वहीं एम्स दिल्ली ने आज सुबह करीब 11.30 बजे हड़ताल का ऐलान किया। मौजूदा जांच की विश्वसनीयता पर चिंता जताते हुए रेजिडेंट डॉक्टरों ने मामले में पारदर्शी जांच की मांग की है तथा मामले को तत्काल सीबीआई को सौंपने का अनुरोध किया है। डॉ. दीक्षित ने कहा, "हम यह भी चाहते हैं कि पीड़ित के शोक संतप्त परिवार को पर्याप्त मुआवजा दिया जाए। यह नृशंस घटना उस स्थान पर घटित हुई जहां लोगों की जान बचाई जाती है और उन्हें उपचार प्रदान किया जाता है। यह घटना सेवा प्रदान करने वाले लोगों के समक्ष मौजूद गंभीर खतरों की याद दिलाती है।" दिल्ली एम्स के आरडीए ने एक बयान में कहा, " इस जघन्य कृत्य पर हमारा दिल गहरे दुख और सदमे से भरा हुआ है।

एसआरएन के डॉक्टर हड़ताल पर, मरीज बेहाल

कोलकाता में ट्रेनी डॉक्टर के रेप और मर्डर का आक्रोश, बिना इलाज कराए लौट गए मरीज

प्रयागराज। कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज के अस्पताल में लेडी ट्रेनी डॉक्टर के साथ रेप और मर्डर के बाद आज सभी मेडिकल कॉलेजों में डॉक्टरों का कार्य बहिष्कार है। इसी क्रम में एसआरएन (स्वरूप रानी नेहरू) अस्पताल के भी रेजीडेंट डॉक्टर आज सोमवार को कार्य बहिष्कार किए हैं। यहां तक कि पर्चा काउंटर बंद करा दिया गया था। अस्पताल परिसर में जुटे रेजिडेंट डॉक्टर हाथों में तख्तियां लेकर प्रदर्शन और नारेबाजी करते रहे। उधर, डॉक्टरों के हड़ताल पर जाने के कारण दूर दराज से आए मरीज बेहाल रहे। ट्रामा सेंटर में इमरजेंसी सेवा और गाइनी के लेबर रूम को छोड़कर अन्य सभी सेवाएं ठप हैं। फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया रेजिडेंट डॉक्टर्स एसोसिएशन के आह्वान पर कार्य बहिष्कार कर रहे डॉक्टरों की मांग की है कि सभी अस्पतालों में हेल्थ स्टॉफ की सिक्योरिटी के लिए अनिवार्य प्रोटोकॉल लागू किया जाए।

हड़ताल की जानकारी न होने से परेशान दिखे मरीज

एसआरएन अस्पताल में आज डॉक्टरों की हड़ताल रहेगी, पूर्व में इसकी जानकारी न होने की वजह से बड़ी संख्या में इलाज के लिए यहां पहुंच गए थे। लंबी लाइन पंजीकरण काउंटर के बाहर लग गई थी। स्थिति यह थी कि लाइन में लगे इन मरीजों व उनके तीमारदारों को कोई बताने वाला नहीं था कि आज अस्पताल में हड़ताल है और आज ओपीडी में नहीं बैठेंगे। यही कारण है कि मरीज पर्चा बनवाने की जिद करते रहे।

प्रयागराज में साड़ी शोरूम से चोरी करने वाला अरेस्ट

सेल्समैन अंडर गारमेंट में छिपाता था महंगी साड़ी, 80 से अधिक साड़ी ले जा चुका

प्रयागराज। प्रयागराज के प्रमुख बाजार में मशहूर साड़ी की दुकान का एक सेल्समैन महंगी साड़ियां अंडर गारमेंट में छिपाकर ले जाता था। कारोबारी ने सीसीटीवी लगवाए पर वह कैमरों से बचते हुए साड़ी कभी अंडर गारमेंट या कभी कमर में फंसा लेता था। लगातर महंगी साड़ियों का स्टॉक खत्म होते देख कारोबारी को शक हुआ। छुट्टी के समय चेकिंग होने लगी तो सेल्समैन फंस गया। उसे रंगे हाथों पकड़ लिया गया। पिटाई के बाद

पुलिस के हवाले किया गया। शॉप मालिक ने महंगी साड़ियों की लिस्ट पुलिस को दी है जो सेल्समैन ने चोरी कर बेची थीं।

सीसीटीवी से बचकर कमर में छिपा लेता था साड़ी

मुट्ठीगंज थाना क्षेत्र के कोठा पारख्वा बाजार में यश श्री साड़ी कलेक्शन के नाम से शोरूम है। कोठा पारचा के रहने वाले शुभम केसरवानी ने मुट्ठीगंज थाने में तहरीर देकर बताया कि दुकान में करीब 28 कर्मचारी काम करते हैं। शॉप से लगातार साड़ियों की चोरी हो रही थी। अंत में शक होने पर सौरभ दास उर्फ राकेश को जाते रोक लिया गया। उसके पीछे के हिस्से में कुछ फूला हुआ लगा। पूछा गया तो उसने कहा दवा खाने की वजह से सूजन है। इस बात पर यकीन नहीं हुआ वह झगड़ा करने लगा। जब उसकी बेल्ट खोली गई तो कमर में एक साड़ी बंधी हुई मिली। साड़ी की कीमत 3175 रुपए है। इसके बाद उससे पूछताछ हुई तो उसने लगातार अंडर गारमेंट में छिपाकर साड़ी चोरी करने की बात कबूल कर ली। दुकानदार ने पुलिस को बताया कि अब तक 80 साड़ियों के चोरी की बात कबूली है। सभी साड़ियों की फोटो उसके मोबाइल में मिली है। अपनी भाभी और बुआ को साड़ी देने की बात स्वीकार की है। पुलिस आरोपी सेल्समैन से पूछताछ कर रही है।

भर्ती परीक्षाओं में फर्जीवाड़े पर हाईकोर्ट सख्त

नकल करने वालों से सख्ती से निपटेंय बनारस के अभ्यर्थी की जमानत याचिका खारिज

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा कि भर्ती परीक्षाओं में नकल करने वालों से सख्ती से निपटा जाना चाहिए। नकल से योग्यता और समान अवसर के सिद्धांत का हनन होता है। नकल

से अपनी योग्यता और कड़ी मेहनत से परीक्षा देने वाले अभ्यर्थियों को नुकसान होता है। यूपी कॉन्स्टेबल भर्ती के लिए हुई परीक्षा में दूसरे के स्थान पर परीक्षा देने के आरोपी आवेदक के स्थान पर बैठकर परीक्षा दे रहे अमरजीत चौरसिया की जमानत अर्जी खारिज करते हुए न्यायमूर्ति रोहित रंजन अग्रवाल ने यह टिप्पणी की। बनारस के एसबी शिक्षा निकेतन इंटरमीडिएट कॉलेज, करौंदी सुंदरपुर में 17 फरवरी 2024 को यूपी कॉन्स्टेबल भर्ती के लिए परीक्षा हुई। याची अमरजीत चौरसिया के स्थान पर चंदन कुमार यादव परीक्षा देते पकड़ा गया। बायो मैट्रिक के सत्यापन से चंदन कुमार यादव को अधिकारियों ने पकड़ लिया। इसी मामले में अमरजीत के खिलाफ भी धोखाधड़ी सहित विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया। याची 20 मार्च 2024 से जेल में है।

अपने बयान से फंस गया चंदनः याची के वकील ने कहा कि याची को इस मामले में गलत फंसाया गया है। उसका चंदन कुमार से कोई सरोकार नहीं है। न ही कोई आपराधिक इतिहास है। अपर शासकीय अधिवक्ता ने जमानत का विरोध करते हुए कहा कि चंदन कुमार ने अपने बयान में स्पष्ट रूप से कहा कि वह अमरनाथ के स्थान पर परीक्षा दे रहा था। सह–अभियुक्त चंदन की जमानत याचिका खारिज हो चुकी है।

अपने राष्ट्र के इतिहास को याद रखें युवा

विहिप के प्रांत संगठन मंत्री बोले– इतिहास भूलने वाले राष्ट्र की समाप्त हो जाती है संस्कृति

प्रयागराज। प्रयागराज में रविवार को विहिप, बजरंग दल प्रयाग महानगर दक्षिण की ओर से अखंड भारत संकल्प दिवस का

आयोजन किया गया। मुख्य वक्ता विहिप के प्रांत संगठन मंत्री नितिन ने कहा–भारत माता के मानचित्र को कुछ राष्ट्रद्रोहियों ने 14 अगस्त 1947 को सुनियोजित तरीके से बदलने का काम किया गया। महर्षि पाणिनि की जन्मस्थली गुरु नानक का ननकाना हिंगलाज देवी सहित आठ शक्तिपीठ हमसे छीन लिए गए। मोहनजोदड़ो और हड़प्पा हमारी संस्कृति से जुड़े रहे। भगत सिंह, सुखदेव, राजगुरु की समाधि स्थल ढाकेश्वरी देवी का मंदिर और 29 प्रतिशत भूभाग, 62 जिले हमसे छीन लिए गए। इस विभाजन में 10 लाख हिंदुओं का नरसंहार और डेढ़ करोड़ हिंदुओं का विस्थापन हुआ। देश की जनसंख्या नीति आज प्रतीक्षा में है।

खंडित भारत को एक करने का लिया संकल्प

प्रांत संगठन मंत्री ने कहा– वह गलतियां दोबारा ना हो इसलिए समय–समय पर हमें अपने राष्ट्र के साथ हुई घटनाओं को ध्यान करते रहना चाहिए। खंडित भारत को भी हम एक करेंगे। यह संकल्प हम सब लेते हैं और यह जल्द ही पूर्ण होगा। उन्होंने इससे जुड़े सभी इतिहासों पर विधिवत प्रकाश डाला और युवाओं से आह्वान किया कि वह अपनी आंखों में अखंड भारत की संकल्पना को संजोए और उसे पूर्ण करने में अपना तन, मन व धन सर्वस्व न्योछावर करें। कार्यक्रम की अध्यक्षता वीके मित्तल ने किया। महानगर दक्षिण के अध्यक्ष संजय गुप्ता ने सभी का ध न्यवाद ज्ञापन किया। संचालन बजरंग दल के महानगर संयोजक शुभम कुशवाहा ने किया किया। इसमें राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ दक्षिण के संचालक गोपाल, विनोद अग्रवाल, रविंद्र मोहन गोयल कमला मिश्रा ,सुरेश अग्रवाल, अंशुमान, कैप्टन सत्य प्रकाश मिश्रा, देशराज कुशवाहा, मनीष श्रीवास्तव, मनीष कुशवाहा, अमित सिंह आदि उपस्थित रहे।

प्रयाग से काशी...गूंज रहा हर–हर महादेव

संगम के जल से बाबा विश्वनाथ का जलाभिषेक करने वालों का सड़क पर हुजूम

प्रयागराज। सावन के इस पवित्र महीने में पूरा शहर भक्तिभाव से झूम रहा है। बड़ी संख्या में कांवड़िए सड़कों पर दिख रहे हैं। प्रयागराज से काशी रूट का तो दृश्य ही बिल्कुल भक्तिभाव में लीन है। सड़कों पर चल रहे कांवड़ियों की जुबां से सिर्फ हर–हर महादेव व बम–बम बोल रहा है काशी, निकल रहा है। सावन महीने का चौथा सोमवार है। यही कारण है कांवड़िए एक दिन पहले रविवार को ही प्रयागराज से संगम का जल लेकर पैदल ही वाराणसी की तरफ बढ़ने लगे ताकि सोमवार को वह बाबा विश्वनाथ के दरबार में पहुंच सके और संगम के जल से जलाभिषेक कर सकें।

कांवड़ियों की सुरक्षा का कोई इंतजाम नहीं : प्रयागराज से पैदल

ही काशी तक का सफर तय कर रहे अजय दुबे कहते हैं कि कांवड़ियों की सुरक्षा के कोई खास इंतजाम नहीं हैं। नंगे पाव चल रहे कांवड़ियों को कहीं खराब सड़क मिल रही है तो कहीं गंदगी। सभी अधिकारी सिर्फ खानापूर्ति कर रहे हैं और मोबाइल में ही लीन हैं। वह शासन प्रशासन से मांग करते हैं कि कांवड़ियों की सुरक्षा के इंतजाम किए जाएं ताकि कांवड़िए आराम से बाबा विश्वनाथ के धाम तक पहुंच सकें।

सिर्फ कागजों पर चल रहा है वनवे : दरअसल, सावन में पूरे एक महीने झूंसी रूट पर एक लेन को कांवड़ियों के लिए रिजर्व ही कर दिया गया है। यहां एक लेन पर सिर्फ कावंड़ियों को चलने के लिए रखा गया है भले ही बड़ी गाड़ियां इधर से नहीं जा रही हैं लेकिन छोटी गाड़ियां इसी लेन से गुजर रही हैं। वहीं, शिवचरन मौर्य कहते हैं कि प्रशासन को इस तरफ ध्यान देना चाहिए।

प्रयागराज में सड़क हादसे में दूध कारोबारी की मौत

टक्कर मारने वाला गाड़ी सवार मौके से फरार, परिवार में मचा कोहराम

मेजा। प्रयागराज के मेजा थाना क्षेत्र के कोराव बाजार में सड़क दुर्घटना ने एक परिवार को झकझोर कर रख दिया है। दूध देकर घर लौट रहे कारोबारी को अज्ञात वाहन ने जोरदार टक्कर मार दी, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गए। इलाज के दौरान अस्पताल में उनकी मौत हो गई। जानकारी के अनुसार, सत्य प्रकाश सिंह (45), जो पिपराव थाना कोरांव के निवासी थे और दूध खरीदने–बेचने का कारोबार करते थे। बीती शाम को दूध देने के बाद घर लौट रहे थे। इसी दौरान एक अज्ञात वाहन ने उन्हें टक्कर मार दी और वाहन चालक मौके से फरार हो गया। दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल सत्य प्रकाश को राहगीरों की मदद से नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया, लेकिन उनकी हालत और बिगड़ गई। उन्हें प्रयागराज के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां इलाज के दौरान सत्य प्रकाश सिंह की देर रात मौत हो गई। पुलिस को मामले की सूचना दी गई और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया। सत्य प्रकाश सिंह एक सरल और मिलनसार व्यक्ति थे, जिनकी मौत से परिवार और स्थानीय लोगों में शोक की लहर दौड़ गई है। जिला पंचायत सदस्य सोमदत्त सिंह पटेल, दीपक पटेल, अरुण कुमार चतुर्वेदी, पिंटू चौबे, राजेश पांडेय सहित कई स्थानीय नेताओं और नागरिकों ने उनकी मौत पर शोक व्यक्त किया है। कोराव इंस्पेक्टर शैलेस सिंह ने बताया कि पुलिस शव को पोस्टमार्टम के बाद आवश्यक कार्यवाही कर रही है और अज्ञात वाहन की तलाश जारी है। परिवार और समुदाय इस दुखद घटना से गहरे शोक में डूबे हुए हैं, और मृतक की आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की जा रही है।

प्रयागराज के शिवालयों में गूंज रहा हर–हर महादेव

सावन के चौथे सोमवार को मनकामेश्वर, नागवासुकी समेत सभी मंदिरों में पहुंचे शिवभक्त

प्रयागराज। आज सावन महीने का चौथा सोमवार है। पूरा शहर शिवमय हो गया है। गंगा के तट से लेकर सभी मंदिरों तक हर–हर महादेव की गूंज सुनाई दे रही है। एक तरफ बड़ी संख्या में कांवड़िए जहां गंगा का जल लेने के लिए घाटों पर पहुंचे हुए हैं तो वहीं श्रद्धालु बड़ी संख्या में शिवालयों में पहुंच रहे हैं। यमुना के तट पर स्थित मनकामेश्वर मंदिर के बाहर 4 बजे भोर से ही श्रद्धालु कतारबद्ध होकर खड़ रहे। मंगला आरती के बाद मंदिर का गेट श्रद्धालुओं के लिए खोला गया। यहां सिक्योरिटी के विशेष इंतजाम किए गए हैं। इसी तरह दारागंज में स्थित नागवासुकि मंदिर में श्रद्धालुओं की भीड़ सुबह से पहुंच रही है। यहां कोई दर्शन पूजन कर रहा है तो कोई विधि–विधान से रूद्राभिषेक करा रहा है।

नागवासुकि मंदिर के गंगा साइड का गेट बंदः बाढ़ का पानी नागवासुकि मंदिर के गेट तक पहुंचा है। यही कारण है कि गंगा किनारे वाले गेट से अभी श्रद्धालुओं को प्रवेश नहीं मिल पा रहा है। दारागंज मोहल्ले से होते हुए श्रद्धालु दर्शन करने के लिए मंदिर में पहुंच रहे हैं। वहीं शिवकुटी मोहल्ले में स्थित भगवान कोटेश्वर महादेव मंदिर व शिव कचहरी मंदिर में भी शिवलिंग पर जलाभिषेक कराने के लिए श्रद्धालुओं की भीड़ जुटी हुई है। पड़िला महादेव मंदिर में भी जलाभिषेक हो रहा है।

इलाहाबाद हाईकोर्ट में आजम खान मामले में सुनवाई

जौहर यूनिवर्सिटी में मशीन से जुड़ा प्रकरण, रामपुर कोर्ट के फैसले को दी है चुनौती

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट में सपा नेता आजम खान के मामलें में आज यानी सोमवार को सुनवाई होगी। जौहर यूनिवर्सिटी में नगर पालिका की सफाई की मशीन बरामद होने के मामले में रामपुर एमपी–एमएलए सेशन कोर्ट ने आजम खान और उनके बेटे अब्दुल्ला आजम की जमानत याचिका खारिज कर दी थी। रामपुर कोर्ट के फैसले को आजम खान और अब्दुल्ला ने इलाहाबाद हाईकोर्ट में चुनौती देते हुए जमानत याचिका दाखिल की है। इस मामले में हाईकोर्ट में 26 जुलाई को सुनवाई हुई थी तब कोर्ट ने ने सरकार को जवाब दाखिल करने के लिए समय दिया था। पिछली सुनवाई में क्या हुआ थाजौहर यूनिवर्सिटी में सफाई मशीन के मामले में दो घंटे तक हाईकोर्ट में सुनवाई हुई थी। कोर्ट ने इस मामले में राज्य सरकार को 10 दिनों अंदर जवाब दाखिल करने को कहा था। इसके बाद 12 अगस्त की तारीख तय कर दी थी।

एमपी– एमएलए कोर्ट ने आजम को 10 साल की सजा सुनाई

जेल में बंद सपा के वरिष्ठ नेता आजम खान की याचिका पर इलाहाबाद हाईकोर्ट आज सुनवाई करेगा। रामपुर के डूंगरपुर केस में आजम खान ने एमपी एमएलए कोर्ट से मिली सजा के

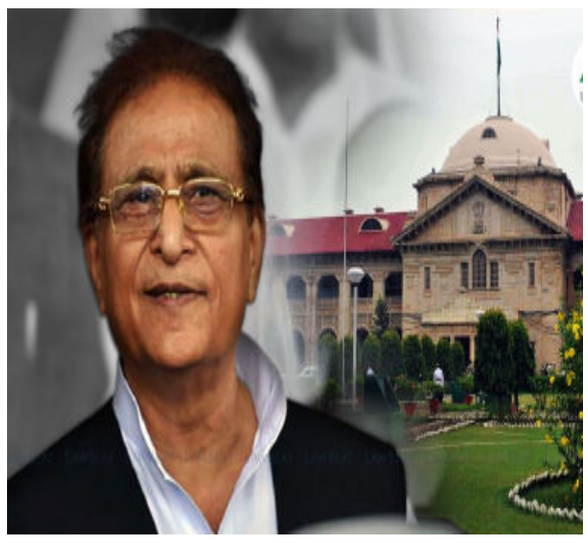

खिलाफ हाईकोर्ट में अपील की है। 30 मई को रामपुर एमपी–एमएलए कोर्ट ने आजम खान को 10 साल की सजा सुनाई थी। एमपी एमएलए कोर्ट से मिली सजा को आजम खान ने इलाहाबाद हाईकोर्ट में चुनौती दी है।

जौहर यूनिवर्सिटी में नगर पालिका की मशीन मिलने का मामला : जौहर यूनिवर्सिटी में नगर पालिका की सफाई की मशीन बरामद होने के मामले में रामपुर एमपी–एमएलए सेशन कोर्ट ने आजम खान और उनके बेटे अब्दुल्ला आजम की जमानत याचिका खारिज कर दी थी। रामपुर कोर्ट के फैसले को आजम खान और अब्दुल्ला ने इलाहाबाद हाईकोर्ट में चुनौती देते हुए जमानत याचिका दाखिल की है।

सपा के पूर्व विधायक अब्दुल्ला आजम के करीबी सालिम और अनवार की निशानदेही पर रामपुर पुलिस ने 19 सितंबर 2022 को जौहर यूनिवर्सिटी से नगर पालिका की रोड क्लीनर मशीन और उसके कटे हुए पार्ट्स बरामद किए थे। यह मशीन यूनिवर्सिटी कैंपस में दबाई गई थी। सामाजिक कार्यकर्ता वाकर अली खान की तहरीर पर आजम खान, उनके बेटे अब्दुल्ला आजम और अनवार तथा सालिम के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई थी।रामपुर के कोतवाली थाने में यह मामला दर्ज हुआ था। रामपुर नगर पालिका के इस प्रकरण में नामजद आरोपी अनवार और सालिम को जमानत मिल चुकी है। हालांकि आजम खान और उनके बेटे अब्दुल्ला आजम अभी भी इसका इंतजार कर रहे है।

विश्वनाथ में दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी संपन्न

रामकथा: गंगा से ब्रह्मपुत्र तक विषय पर विशेषज्ञ तथा शोधार्थी ने सारगर्भित व्याख्यान दिये

कृषि यंत्र प्रशिक्षण एवं परीक्षण संस्थान, उत्तर पूर्वी क्षेत्र के निदेशक पी कमलाबाई मुख्य अतिथि के रूप में समापन सत्र में शिरकत

विश्वनाथ, (असम) । पूर्वोत्तर हिंदी साहित्य अकादमी विश्वनाथ जिला इकाई एवं केंद्रीय समिति तथा विश्वनाथ चारिआलि राष्ट्रभाषा प्रबोध विद्यालय परिचालना समिति के सहयोग से सगुणमार्गी राममक्ति काव्यधारा के लोकप्रिय महाकवि गोस्वामी तुलसीदास जी की जन्म दिनांक के अवसर पर दो दिवसीय कार्यक्रम के साथ राष्ट्रीय संगोष्ठी का कल कृषि यंत्र प्रशिक्षण एवं परीक्षण संस्थान,विश्वनाथ के सभागृह में संपन्न हुआ। संगोष्ठी का केंद्र बिंदु श्रामकथारू गंगा से ब्रह्मपुत्र तकश विषय पर विशेषज्ञ ,अतिथि वक्ताओं तथा शोधार्थियों ने दो दिवसीय व्याख्यान सत्र में श्रोताओं को प्रभावित कियाध्।सर्वप्रथम रविवार को कृषि यंत्र प्रशिक्षण एवं परीक्षण संस्थान,विश्वनाथ में संगोष्ठी के तीसरा तथा चौथा सत्र का संयुक्त रूप से तेजपुर विश्वविद्यालय के सेवानिवृत्त हिंदी विभाग के विभागाध्यक्ष व प्राध्यापक प्रो० अनंत कुमार नाथ के अध्यक्षता में आयोजित हुई जिसमें संगोष्ठी विशेषज्ञ के रूप में राजीव गांधी विश्वविद्यालय , हिंदी विभाग के प्राध्यापक प्रो० अरुण कुमार पांडे, तेजपुर विश्वविद्यालय के हिंदी विभाग के वरिष्ठ सहायक आचार्य डॉ० अनुशब्द, संगोष्ठी संरक्षण रीता सिंह सर्जना मौजूद थी। इस सत्र का प्रोफेसर आनंद कुमार मिश्रा ने सरस्वती माता और महाकवि तुलसीदास जी के सामने दीप प्रज्ज्वलित तथा श्रद्धा सुमन अर्पित करके शुभारंभ किया। इस सत्र का संचालन कर रही सांगठनिक सचिव मनीषा पाल ने सरस्वती वंदना प्रस्तुत की। इसके बाद अध्यक्ष,विशेषज्ञ तथा संरक्षक को फुलाम गामोछा से स्वागत किया गया। इसके बाद वरिष्ठ साहित्यकार हरि लुईटेल (उपाध्याय) ने ष्लोकनायक तुलसीदास की समन्वय भावनाष् विश्वनाथ महाविद्यालय के अध्यापिका गीता वर्मा ने ष्रामचरित्रमानस के स्त्री पात्रष् दरंग कॉलेज राजीव गाँधी विश्वविद्यालय के शोधार्थी विक्रम कुमार, तेजपुर से ढुण्डिराज उपाध्याय ने ष्विदेशों में श्री राम और रामायणरू दक्षिण पूर्व एशिया के संदर्भ मेंष् , राजीव गाँधी विश्वविद्यालय के शोधार्थी विक्रम कुमार, विश्वनाथ चारिआलि के समाजसेविका ऊषा गुप्ता ने अपना सारगर्भित व्याख्यान प्रस्तुत किया। विशेषज्ञों ने भी शोधार्थी के शोध विषय अपना मंतव्य प्रकट की। इस मौके पर प्रो० अरूण कुमार पाण्डेय ने ष्तुलसी के राम की प्रगतिशील चेतनाष् और डॉ० अनुशब्द ने ष्असमिया रामकथा के विविध आयामष् पर विचार व्यक्त किए। अंत में अध्यक्ष प्रोफेसर कुमार अनंत ने सभी शोधार्थी को अपने विषय प्रस्तुत के लिए आभार जताते हुए और विशेषज्ञों को धन्यवाद दी।

तत्पश्चात दोपहर भोजन अवकाश के बाद अपराह्न 2रू30 बजे गरिमामय समापन सत्र का शुभारंभ होता है।संगोष्ठी संयोजक व पूहिंसाअ के जिला सचिव संतोष कुमार महतो द्वारा संचालित समापन सत्र के अध्यक्ष रीता सिंह सर्जना, अध्यक्ष पूर्वोत्तर हिंदी साहित्य अकादमी, विश्वनाथ चारिआलि राष्ट्रभाषा प्रबोध विद्यालय परिचालना समिति के अध्यक्ष प्रभुनाथ सिंह, दीप प्रज्जवलक हेम कुमार गौतम जिलाध्यक्ष, विश्वनाथ, असम नेपाली साहित्य सभा, मुख्य अतिथि पी. कमलाबाई ,निदेशक कृषि यंत्र प्रशिक्षण एवं परीक्षण संस्थान, विश्वनाथ , विशिष्ट अतिथि डॉ० विश्वजीत कुमार मिश्र ,सहायक आचार्य, हिंदी विभाग ,राजीव गांधी विश्वविद्यालय ,डॉ० भक्त प्रसाद गौतम,अध्यक्ष, विश्वनाथ नगर शाखा,असम नेपाली साहित्य सभा, डॉ सरजीत दास, मुख्य मार्ग प्रमुख ,विश्वनाथ जिला, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ को मंचासीन कराया गया। इसके बाद अतिथियों को फुलाम गामोछा तथा फूल के गुलदस्ता से भव्य स्वागत किया गया। इसके बाद जिलाध्यक्ष प्रेम विश्वकर्मा ने स्वागत भाषण दी ,जिसमें सभी अतिथियों का गर्म जोशी से स्वागत किया। इस मौके पर राष्ट्रीय संगोष्ठी के उपलक्ष में असम के पूर्व राज्यपाल गुलाबचंद्र कटारिया के द्वारा प्राप्त संदेश का कार्यकारी सदस्य वेददीप उपाध्याय ने पाठ तथा अरुणाचल प्रदेश के राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल के. टी.पारनाईक द्वारा प्राप्त संदेश का सांगठनिक सचिव मनीषा पाल ने पाठ कर सभी को साझा किया। इसके बाद विशिष्ट अतिथियों तथा मुख्य अतिथि ने भाषण दी। विशिष्ट अतिथि डॉ० विश्वजीत कुमार मिश्र ने तुलसी के काव्य में मनोविकार चिकित्सा पर व्याख्यान और डॉ० सरजीत दास ने वर्तमान जीवन में रामकथा की प्रासंगिकता के ऊपर व्याख्यान देते हुए राष्ट्र निर्माण के ऊपर काम करने के लिए सभी को आग्रह की। कार्यक्रम में उपस्थित दीपिका उपाध्याय ने समधुर भजन की प्रस्तुति से कार्यक्रम को चार चांद लगा दी। इसके बाद संपूर्ण कार्यक्रम के संयोजक संतोष कुमार महतो ने दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी की रिपोर्ट और जिला अध्यक्ष प्रेम विश्वकर्मा ने स्वरचित देशभक्ति गीत प्रस्तुति दी। इस मौके पर फार्म मिशनरी संस्थान के पदाधिकारी तथा विश्वनाथ चारिआलि राष्ट्रभाषा प्रबोध विद्यालय परिचालना समिति के कार्यकरी अध्यक्ष सूर्यनारायण पांडे को फुलाम गामोछा से सम्मानित किया गया।अंत में सभी अतिथियों के कर कमलों से

शोधार्थी तथा अध्यापक को प्रमाण पत्र वितरण किया गया । संगोष्ठी के संरक्षण तथा समापन सत्र के अध्यक्ष रीता सिंह सर्जन ने सभी को महाकवि गोस्वामी तुलसीदास की जयंती की हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए उपस्थित अतिथि को आभार जताते हुए इस कार्यक्रम की सफलता के लिए विश्वनाथ जिला इकाई के सभी कार्यकर्ताओं को बधाई दी। पूहिंसाअ के कार्यकरी सदस्या व अध्यापिका गीता वर्मा ने धन्यवाद ज्ञापन की। राष्ट्रगान से गरिमामयी समापन सत्र का भंग किया गया। इस संपूर्ण कार्यक्रम के संयोजक संतोष कुमार की भूमिका में हुई।उल्लेखनीय है कि 10 अगस्त को विश्वनाथ चारिआलि के राष्ट्रीय विद्यालय आमबाड़ी के सभागृह में प्रातः 10 बजे पहला सत्र एवं उद्घाटन सत्र का शुभारंभ हुआ। जिसमें पूर्वोत्तर हिंदी साहित्य अकादमी विश्वनाथ जिला इकाई के जिलाध्यक्ष प्रेम विश्वकर्मा के अध्यक्षता और जिलासचिव संतोष कुमार महतो के संचालित आयोजित उद्घाटन सत्र में दीप प्रज्वलक के रूप में लोकनाथ शास्त्री, व्यवस्थापिका सदस्य,असम राष्ट्रभाषा प्रचार समिति ,मुख्य अतिथि के रूप में प्रभुनाथ सिंह, विश्वनाथ चारिआलि राष्ट्रभाषा प्रबोध विद्यालय परिचालना समिति, विशिष्ट अतिथि के रूप में हरि प्रसाद लुईटेल, गीता वर्मा, अध्यापिका, हिंदी विभाग, विश्वनाथ महाविद्यालय तथा सूर्यनारायण पांडे,कार्यकारी अध्यक्ष,विश्वनाथ चारिआलि राष्ट्रभाषा प्रबोध विद्यालय परिचालना समिति,विश्वनाथ मौजूद थे। पूर्वोत्तर हिंदी साहित्य अकादमी के पदाधिकारी तथा सदस्य–सदस्या ने फुलाम गामोछा से सम्मानित किया। इसके बाद दीप प्रज्वलक लोकनाथ शास्त्री ने दीप प्रज्ज्वलित करके दीप –मंत्र से गरिमामय संगोष्ठी का शुभारंभ किया। पूहिंसाअ विश्वनाथ जिला इकाई के सांगठनिक सचिव मनीषा पाल ने सरस्वती वंदना और स्वागत भाषण प्रस्तुति दी।उद्घाटन सत्र में उपस्थित दीप प्रज्वलक, अतिथि, मुख्य अतिथि, विशिष्ट अतिथियों ने सगुणमार्गी काव्यधारा के महाकवि गोस्वामी तुलसीदास जी के जीवन पर सारगर्भित भाषण देते हुए रामकथा गंगा से ब्रह्मपुत्र तक और विश्व के हर जनमानस से संबंधित पर व्याख्यान दी। वरिष्ठ साहित्यकार हरि लुईटेल (उपाध्याय) ने गोस्वामी तुलसीदास रचित रामचरितमानस के ऊपर व्याख्यान देते हुए कहा तुलसीदास ने रामचरितमानस अमर काव्य विश्व को दान दिया और ज्ञान एवं भक्ति में समन्वय एक होते हुए भी भक्ति सर्वश्रेष्ठ है क्योंकि भक्ति मुक्ति प्रदान करती है। जब तक इस धरती में सनातन रहेंगे तब तक गोस्वामी तुलसीदास अमर रहेंगे। अतिथि सूर्यनारायण पांडे ने वर्तमान कलियुग में रामकथा की प्रासंगिक को जोड़ते हुए आध्यात्मिक ज्ञान पर बल दिये। अध्यक्षीय भाषण प्रेम विश्वकर्मा ने कहा महाकवि तुलसीदास ने रामकथा के जरिये पूरे विश्व को जोड़ा है। रामकथारू गंगा से ब्रह्मपुत्र तक पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी से जनमानस तथा शोधार्थी प्रभावित होंगे। उपस्थित महानुभावों की सराहना की। राष्ट्रीय संगोष्ठी के संयोजक तथा पूहिंसाअ विश्वनाथ जिला इकाई के जिला सचिव संतोष कुमार महतो ने उपस्थित अतिथि को धन्यवाद ज्ञापन की। स्वागत किया गया। इसके बाद राष्ट्रगान से उद्घाटन सत्र का समाप्ति हुई। इस मौके पर सांगठनिक सचिव मनीषा पाल, समानंद रौनियार, डोली दास घोष,आरती पाल,लखी पाल आदि गणमान्य व्यक्ति मौजूद थे । उद्घाटन सत्र के बाद दूसरे सत्र का शुभारंभ ऑनलाइन माध्यम से हुआ।

जिसमें संगोष्ठी संरक्षक के रूप में रीता सिंह सर्जना, अध्यक्ष, पूर्वोत्तर हिंदी साहित्य अकादमी , बीज वक्ता के रूप में डॉ. वीर कुँवर सिंह मार्तण्ड, साहित्यकार, कोलकाता ,अध्यक्ष के रूप में डॉ. भगवान स्वरूप चौतन्य, अध्यक्ष ग्वालियर साहित्य संस्थान, ग्वालियर, विशेषज्ञ के रूप में क्रमशः प्रो. स्नेहलता नेगी, दिल्ली विश्वविद्यालय, प्रो. सरोज कुमारी, विवेकानंद कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय मौजूद थे। इस ऑनलाइन दूसरे सत्र में कार्यपत्र प्रस्तुत के रूप में क्रमशः सुनाली बरगोहाँई, कीर्तिका दुबे,हिमांशु सक्सेना ,डॉ. अर्चना हाजारिका, सुशीला बाई, स्मृति रेखा मल्लिक, अन्नपूर्णा बाजपेयी, सुदक्षिणा दुवारी,कल्पना शइकीया, डॉ. नंदिता दत्त, पल्लवी दास ने शोध सारांश पेश की। इस ऑनलाइन दूसरा सत्र का कुशल संचालन डॉ. गोमा देवी शर्मा, सहायक आचार्या, हिंदी विभाग, तेजपुर विश्वविद्यालय ने की।

इलाहाबाद विश्वविद्यालय के हिंदी विभाग में एंटी रैगिंग डे पर संगोष्ठी आयोजित

प्रयागराज। इलाहाबाद विश्वविद्यालय के हिन्दी विभाग के सभागार में "एंटी रैगिंग डे" के अवसर पर आयोजित संगोष्ठी में बोलते हुए इलाहाबाद विश्वविद्यालय के वरिष्ठ आचार्य प्रो. मनमोहन कृष्ण ने कहा कि रैगिंग के कारण हीनता व आत्महत्या की भावना कनिष्ठ लोगों में पैदा हो सकती है। कई बार अपनी मौज मस्ती के लिए सीनियर छात्र रैगिंग में रत हो जाते है। रैगिंग में वरिष्ठ छात्रों द्वारा नए प्रवेशकों या जूनियर छात्रों के साथ दुर्व्यवहार, अपमान या उत्पीड़न शामिल है।अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. हर्ष कुमार जी ने कहा कि कई बार आपस में मारपीट भी रैगिंग की झूठी शिकायतों का कारण बन जाती है।रैगिंग में शिकायतकर्ता की आइडेंटिटी को यत्नपूर्वक गुप्त

रखा जाता है। प्रो. मनोज कुमार जी ने कहा कि हममें से प्रत्येक अपने जीवन में कोई न कोई युद्ध लड़ रहा होता है। हमें न केवल रैगिंग से बचना चाहिए बल्कि अप्रिय बोलने और करने से भी बचना चाहिए।

प्रो. लालसा यादव ने कहा रैगिंग का अर्थ है किसी भी प्रकार का अव्यवस्थित आचरण, चाहे वह मौखिक या लिखित शब्दों द्वारा हो या ऐसा कार्य हो, जिसका प्रभाव किसी अन्य छात्र को चिढ़ाने, उसके साथ अशिष्ट व्यवहार करने या उसके साथ व्यवहार करने पर पड़ता हो। संगोष्ठी के संयोजक हिन्दी विभाग के प्रो. राजेश कुमार गर्ग ने कहा कि रैगिंग में कॉलेजों और विश्वविद्यालयों में वरिष्ठ छात्र नए छात्रों से अपनी बड़ाई प्रकट करने के लिए कई बार जानबूझकर अपमानजनक तरीके से से पेश आते हैं, अभद्र हरकतें और अभद्र तरीकों का प्रदर्शन करते हैं।

कार्यक्रम का संचालन डॉ. शिव कुमार यादव ने किया। प्रो. राकेश सिंह, डॉ. जनार्दन, डॉ. वीरेंद्र मीणा टूट ने अतिथियों को पुष्पगुच्छ प्रदान कर स्वागत किया।इस अवसर पर बड़ी संख्या में छात्र और प्राध्यापक उपस्थित रहे।

ज्योति सैनी सिद्दीकी द्वारा फ्रिडा काहलो की स्मृति में आठवीं ऑनलाइन अंतर्राष्ट्रीय कला प्रदर्शनी का आयोजन

रवीन्द्र कुशवाहा को अतिथि कलाकार के रूप में आमंत्रित किया गया है

प्रयागराज। ज्योतिकृति कला संस्थान लखनऊ की संस्थापक और निदेशक ज्योति सैनी सिद्दीकी कीज्ञ आठवीं ऑनलाइन अंतर्राष्ट्रीय कला प्रदर्शनी का प्रीमियर 13 अगस्त 2024 को होगा। यह प्रदर्शनी मैक्सिकन महान कलाकार फ्रिडा काहलो को श्रद्धांजलि देती है, कला की दुनिया पर उनके गहन प्रभाव का जश्न मनाती है।

अंतरराष्ट्रीय कला–प्रदर्शनी में 12 देशों के 30कलाकारों की कलाकृतियों का विविध संग्रह प्रदर्शित किया जाएगा, भाग लेने वाले कलाकारों में शामिल हैं– अलेक्जेंडर मोंटिला (वेनेजुएला), अनुपमा त्रिगुणायत (भारत), अजनीता मोहम्मद यूसुफ (सिंगापुर), एड्रियाना वोलेनजुवेला सोलसीडो (मेक्सिको), ब्लैंका डोवगन (स्लोवेनिया), बोध राज बाल्डोत्रा (भारत), डोरा क्रेस्पो पेरेज (स्पेन), ज्योति सैनी सिद्दीकी (भारत), जुआन मैनुअल एविना (मेक्सिको), जयदीप घोष (भारत) कीर्ति अवस्थी (भारत), मेहरंगिज तलइजादेहा (ईरान), मायरा मोंटेनेग्रो (मेक्सिको), एम. एस. विनोद (भारत), मोनिशा डे (भारत), मोनिका फेरेरा (इटली), पूर्वा श्रीवास्तव (भारत), परिमा हेदरी (ईरान), रवि प्रकाश सिंह (भारत), रेना हॉटिंगर (यूएसए), रवीन्द्र कुशवाहा (भारत), रीता कश्यप (भारत), रोजमेरी क्रिस्टोफर (भारत), रुबी पेट्रीसिया फेरेरा (मेक्सिको), शांतनु दास (भारत), श्रुति विज (भारत), सुम्बुल परवीन (भारत), ट्रिना बैचलर (न्यूजीलैंड), उमरान ओजबलसी आरिया (तुर्की), वैदा प्रूसिन्स्कीने (लिथुआनिया) आदि के शानदार चित्र प्रदर्शित होंगे।

ज्योति सैनी सिद्दीकी भारत की एक प्रसिद्ध कलाकार और कला क्यूरेटर हैं, जो कलाकारों के उत्थान और राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय दोनों मंचों पर कला को बढ़ावा देने के लिए समर्पित हैं। प्रयागराज के प्रसिद्ध कलाकार रवीन्द्र कुशवाहा इसमें आमंत्रित कलाकार हैं।

अवैध अस्पतालों पर तत्काल हो कार्यवाही : पवनेश उपाध्याय

भारतीय किसान कल्याण संघ ने की तत्काल जांच कर कार्यवाही करने की मांग

प्रयागराज। क्षेत्र के अस्पतालों में व्याप्त घोर अनियमितता, मेडिकल लाइन में माफिया तत्वों की अधिकता को लेकर तथा बिना पंजीकरण चल रहे अस्पतालों पर अविलंब कार्यवाही करने की मांग भारतीय किसान कल्याण संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष पवनेश उपाध्याय ने सूबे के मुख्यमंत्री माननीय मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, एवं स्वास्थ्य मंत्री बृजेश पाठक से की है। श्री उपाध्याय ने कहा की प्रयागराज में तमाम अस्पताल बैगर रजिस्ट्रेशन के चल रहे, बेसमेंट में बिना किसी सुविधा के अस्पताल संचालित हो रहे हैं, जो कहीं न कहीं स्वास्थ्य सुविधाओं पर प्रश्न चिन्ह खड़ा करता है। अस्पतालों में प्रशासन के मिलीभगत से घूसखोरी एवं मेडिकल माफियागिरी चरम पर चल रही है। श्री उपाध्याय ने कहा की प्रयागराज में तमाम ऐसे अस्पताल हैं जो बुखार से लेकर ऑपरेशन तक का जिम्मा उठाकर मरीजों की जान जोखिम में डालने से नहीं चूकते हैं। ऐसे अस्पताल एवं पैथोलॉजी सेंटर मरीजों से जांच और इलाज के नाम पर मनचाहा रुपये की वसूली भी करते हैं। वहीं स्वास्थ्य विभाग ऐसे अस्पतालों एवं पैथालॉजी सेंटर पर कार्रवाई करने से परहेज करता है। कई ऐसे भी हैं, जो आगे मेडिकल की दुकान चला रहे हैं और पीछे दो कमरों में पूरा नर्सिंग होम संचालित कर रहे हैं। इन अस्पतालों में कोई डिग्री धारक चिकित्सक भी नहीं है, लेकिन हर तरह के मरीजों को भर्ती कर उनका आर्थिक शोषण के अलावा जिंदगी के साथ खिलवाड़ कर रहे हैं। जिसके विरोध में जल्द ही भारतीय किसान कल्याण संघ ज्ञापन के माध्यम से पूरे देश में अभियान चला कर कार्यवाही करने की मांग की है। जांच कराकर कार्यवाही नही की गई तो विरोध में आंदोलन शुरू किया जायेगा।

विद्यालय में बच्चों को बांटी गई क्रिमिनाशक दवा

करछना। सोमवार को क्षेत्र के रामपुर स्थित मंगल सिंह इंटर कॉलेज में प्रधानाचार्य मनीष तिवारी की देखरेख में बच्चों को क्रिमिनाशक दवा वितरित की गई। इस दौरान शिक्षकों ने अपनी अपनी कक्षाओं के छात्रों को दवा वितरित करते हुए बताया कि इसके खाने से पेट के अवांछनीय कीड़े मर जाते हैं और पाचन शक्ति के साथ–साथ अच्छी पाचन क्रिया का संतुलन भी अच्छा हो जाता है ।दवा वितरण के दौरान लगभग 6 00 बच्चों को सरकारी अस्पताल से प्रदान की गई दवा वितरित की गई ।इस मौके पर विद्यालय के शिक्षक,कर्मचारी और बड़ी संख्या में बच्चे मौजूद रहे।

निरीक्षण हेतु तीन सदस्य टीम चौधरी महादेव प्रसाद डिग्री कॉलेज में

प्रयागराज। चौधरी महादेव प्रसाद डिग्री कॉलेज, प्रयागराज में नैक के तृतीय चक्र के निरीक्षण हेतु नैक की तीन सदस्य टीम 12 एवं 13 अगस्त 2024 को महाविद्यालय का दौरा कर रही है। नैक टीम के अंतर्गत प्रोफेसर अविनाश तिवारी, कुलपति, जीवाजी विश्वविद्यालय की अध्यक्षता में प्रोफेसर एन. सेंथिल कुमार, अन्ना यूनिवर्सिटी, चेन्नई एवं प्रोफेसर संजोय रॉय, अगरतला निरीक्षण कार्य कर रहे है।

इस दौरान नैक की टीम ने महाविद्यालय के तीनों परिसर में स्थित विभिन्न विभागों का दौरा किया।

तत्पश्चात टीम के सभी सदस्यों ने पूरा छात्र, अभिभावकों एवं विद्यार्थियों के साथ अंत क्रिया कर पृष्ठ पोषण प्राप्त किया।

निरीक्षण के प्रथम दिन के अंत में सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन महाविद्यालय के प्यारे लाल ऑडिटोरियम में किया गया। जिसमें महाविद्यालय के समस्त शिक्षणगण, कर्मचारीगण एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे। कल दिनांक 13 अगस्त 2024 को महाविद्यालय की मूलभूत सुविधाओं का निरीक्षण एवं एन.सी.सी. एवं एन.एस.एस. का निरीक्षण करेंगे।

संक्षिप्त

एनसीसी कैडेटस ने निकाली तिरंगा यात्रा

लखनऊ, एजेंसी। स्वतंत्रता दिवस को समर्पित हर घर तिरंगा अभियान में जनभागीदारी सुनिश्चित करने के उद्देश्य से आज नवयुग कन्या महाविद्यालय, राजेंद्र नगर, लखनऊ की 19 उत्तर प्रदेश गर्ल्स बटालियन एनसीसी विंग द्वारा तिरंगा यात्रा (फ्रीडम वॉक) का आयोजन किया गया, जिसमें एनसीसी कैडेट्स ने प्राचार्या प्रो मंजुला उपाध्याय के दिशा निर्देशन तथा एनसीसी अधिकारी मेजर (डॉ.) मनमीत कौर सोढ़ी के नेतृत्व में प्रतिभाग किया। यात्रा महाविद्यालय से आरंभ होकर डीएवी कॉलेज रोड से बांसमंडी चौराहा, गुरुद्वारा रोड, नाका हिंडोला चौराहा से रकाबगंज,रानीगंज रोड होते हुए भारती भवन के सामने से होकर वापस महाविद्यालय पहुंची। यात्रा के माध्यम से मेजर (डॉ.) मनमीत कौर सोढ़ी ने जनमानस से से अपील की कि आजादी के अमृत महोत्सव के अंतर्गत प्रत्येक नागरिक को अपने–अपने निवास और संस्थानों पर तिरंगा फहराने का अधिकार प्राप्त हुआ है, जिस के लिए हम सभी को गर्व होना चाहिए, परंतु तिरंगा, जो कि हम भारतीयों के आन–बान और शान का प्रतीक है, इसके मान सम्मान की रक्षा का दायित्व हम सबको लेना होगा। यही वास्तविक अर्थों में आजादी होगी। तिरंगा यात्रा में 19 उत्तर प्रदेश गर्ल्स बटालियन से सूबेदार दीपेंद्र राई, बीएचएम संदीप नेगी, हवलदार रमाकांत तथा कैडेट पलक गुप्ता, स्वीटी सिंह, गौरवी यादव, ललिता यादव, शुभागी निगम, साक्षी, महिमा, अंजली बाजपेई, दिव्या, जिया, अनामिका, सिद्धी, श्रेया, तान्या, वैष्णवी, तनु, शिप्रा, अंजली अस्थाना समेत बड़ी संख्या में कैडेटस ने भाग लिया तथा यात्रा में देशभक्ति गीत –सारे जहां से अच्छा हिंदुस्तान हमारा..... यह देश है वीर जवानों का..... विजई विश्व तिरंगा प्यारा और हर घर तिरंगा मेरी शान तिरंगा गाते हुए अनुशासित रूप से जन–जन तक हर घर तिरंगा अभियान का प्रचार–प्रसार किया। प्राचार्या प्रोफेसर मंजुला उपाध्याय ने कैडेट्स को देश के जिम्मेदार नागरिक बनने के लिए प्रेरित किया।

अखिलेश यादव ने गडकरी को लिखा पत्र, यूपी के विकास को गति देने की मांग

लखनऊ, एजेंसी। समाजवादी पार्टी के प्रमुख और यूपी के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी को पत्र लिखा कर राज्य के विभिन्न एक्सप्रेस–वे का निर्माण पूरा करने की मांग की है। उन्होंने भारत सरकार की ओर से पहले से स्वीकृत उत्तर प्रदेश के विकास को गति प्रदान करने और नए एक्सप्रेस–वे और सड़कों का निर्माण करने की बात कही है। सपा मुखिया अखिलेश यादव ने पत्र में लिखा–भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण द्वारा स्वीकृत संरेखण, इटावा (उत्तर प्रदेश) और कोटा (राजस्थान) को जोड़ने वाले 408.77 किलोमीटर लंबे चंबल एक्सप्रेस–वे का निर्माण कार्य पूरा किया जाए। मध्य प्रदेश के ग्वालियर से लिपुलेख तक प्रस्तावित 6 लेन सड़क का निर्माण कार्य जल्द पूरा किया जाए। बुंदलेखंड एक्सप्रेस–वे को सतना से जोड़ा जाए और इटावा में जहां से एक्सप्रेस–वे शुरू हो रहा है, उसे हरिद्वार तक ले जाए। साथ ही उन्होंने पूर्वांचल एक्सप्रेस–वे को 25 किलोमीटर और बढ़ाकर बिहार के बक्सर–भागलपुर तक बनने वाले एक्सप्रेस–वे से मिलाने के लिए पखनपुरा गांव से जोड़ा जाए। जिससे भागलपुर से दिल्ली तक एक एक्सप्रेस–वे मिल सके। आगरा–लखनऊ एक्सप्रेस वे के नैमिषारण्य कट से शुरू होकर हरिद्वार तक एक नए एक्सप्रेस–वे का निर्माण करने की मांग की है।

लोहिया संस्थान में भगदड़, ऑक्सीजन सिलेंडर से निकली गैस और आग से दहशत में आए मरीज

लखनऊ, एजेंसी। डॉ. राम मनोहर लोहिया आयुर्विज्ञान संस्थान में सोमवार को अचानक भगदड़ मच गई। मरीज और उनके साथ मौजूद परिजन दहशत में आ गए। बताया जा रहा है कि डॉ राम मनोहर लोहिया आयुर्विज्ञान संस्थान में मेडिसिन वार्ड में भर्ती एक मरीज को आईसीयू में शिफ्ट किया जा रहा था। इस दौरान ऑक्सीजन सिलेंडर से अचानक आग निकलने लगी जिसकी चपेट में एक तीमारदार आ गया। वहीं इस घटना की जानकारी होते ही पूरे वार्ड में अफरा तफरी मच गई और लोग भागने लगे। लोहिया संस्थान प्रशासन की तरफ से बताया गया है कि ऑक्सीजन सिलेंडर निकालते समय तेजी के साथ गैस निकली। जो की एक तीमारदार के हाथ पर लग गई। इसके बाद भगदड़ मची और बाहर निकालने के लिए शीशा भी तोड़ना पड़ा।

मंडलायुक्त बनीं प्रॉक्सी सीएम, परेड की सलामी ली, आज होगा फुल ड्रेस रिहर्सल

लखनऊ, एजेंसी। लखनऊ में सोमवार को विधानसभा के बाहर रियल टाइम रिहर्सल परेड की गई। इस दौरान मंडलायुक्त डॉ. रोशन जैकब ने प्रॉक्सी सीएम बनकर परेड की सलामी ली। हर वर्ष की तरह इस बार भी स्वतंत्रता दिवस की 77वीं वर्षगांठ पर भव्य कार्यक्रम का आयोजन होगा। इसकी तैयारी को देखते हुए सोमवार–मंगलवार को रियल टाइम रिहर्सल परेड की जा रही है। लखनऊ में 15 अगस्त के लिए रियल टाइम रिहर्सल परेड की शुरुआत सुबह 9 बजे हुई। करीब 40 मिनट तक कार्यक्रम का पूर्वाभ्यास किया गया। कमिश्नर डॉ. रोशन जैकब ने परेड की सलामी ली। इनके साथ कड डॉ. सूर्य पाल गंगवार, डीसीपी सेंट्रल रवीना त्यागी सहित शासन–प्रशासन के कई अधिकारी मौजूद रहे।

सुरक्षित और सम्मान जनक वातावरण देना हमारा कर्तव्य–प्रोफेसर मंजुला

लखनऊ, एजेंसी। अन्तर्राष्ट्रीय युवा दिवस पर नवयुग कन्या महाविद्यालय में महिला शिकायत निवारण सुझाव एवं रैगिंग निषेधा प्रकोष्ठ द्वारा रैगिंग निषेध विषय पर स्लोगन एव पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में महाविद्यालय के सभी संकायों के छात्राओं ने प्रतिभाग किया । छात्राओं ने अपनी रचनात्मक तथा कलात्मक अभिव्यक्ति चार्ट पेपर के माध्यम से अभिव्यक्त की। आयोजन का मूल उद्देश्य छात्राओं को रैगिंग के दुष्परिणामों से अवगत कराना था। उच्च शिक्षा प्रणाली में रैगिंग एक चिंता जनक वास्तविकता है जो हजारों प्रतिभाशाली छात्राओं के कैरियर को बर्बाद कर रहा है। उच्च शिक्षण संस्थानों में रैगिंग के खतरे को रोकने के लिए यू.जी.सी के द्वारा जारी किए गए रैगिंग निषेध हेल्पलाइन नंबर एवं मेल आई डी को भी छात्राओं ने चार्ट पर प्रस्तुत कर महाविद्यालय की छात्राओं को जागरूक किया। प्रतियोगिता के निर्णायक मंडल के सदस्य के रूप में प्रोफेसर ऋचा शुक्ला विभागाध्यक्ष जन्तु विज्ञान विभाग, बी. एड विभाग की एसोसिएट प्रोफेसर डॉ सरिता कन्नौजिया एवं समाज शास्त्र विभागाध्यक्ष डॉ विनीता सिंह उपस्थित रहीं।

सम्पादकीय.....

अस्पतालों में महिला सुरक्षा पर सवाल

अस्पतालों में महिला चिकित्सा कर्मियों की सुरक्षा को लेकर अनेक बार सवाल उठते रहे हैं। खासकर रात के वक्त उनकी सुरक्षा के विशेष प्रबंध की जरूरत रेखांकित की जाती है। मगर इस तकाजे पर गंभीरता से ध्यान कम ही दिया जाता है। इसी का नतीजा है कि सेवा के समय अक्सर महिला स्वास्थ्य कर्मियों के साथ यौन उत्पीड़न की घटनाएं सामने आ जाती हैं। कोलकाता के एक सरकारी मेडिकल कालेज में प्रशिक्षु चिकित्सक की हत्या इसकी एक कड़ी है। प्राथमिक जांच से पता चला है कि उस चिकित्सक का बलात्कार किया गया और फिर उसे मार डाला गया। उसका शव अस्पताल के सम्मेलन कक्ष में पाया गया। शव परीक्षा में उसके शरीर पर जगह–जगह गंभीर चोटें पाई गई हैं। हालांकि अस्पताल के कैमरों से मिली तस्वीरों के आधार पर एक संदिग्ध को गिरफ्तार कर लिया गया है और पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने इस मामले पर खासा सख्त रुख जाहिर किया है, मगर इस घटना को लेकर अस्पताल कर्मियों और चिकित्सा छात्रों का रोष कम नहीं हो रहा। घटना की जांच के लिए सरकार ने सात सदस्यों का विशेष जांच दल नियुक्त कर दिया है। मुख्यमंत्री ने कहा है कि अगर पीड़िता के परिजन चाहें तो वे इसकी सीबीआइ जांच के आदेश भी देने को तैयार हैं। मगर सवाल है कि आखिर इस तरह का साहस किसी में आया कैसे, कि उसमें कानून का जरा भी भय पैदा क्यों नहीं हुआ। अगर कानून–व्यवस्था का खौफ होता और अस्पताल प्रशासन मुस्तैद रहता, वहां सुरक्षा इंतजाम पुख्ता होते, तो ऐसी वारदात होने ही न पाती। अच्छी बात है कि सरकार इस मामले पर किसी तरह की लीपापोती करने का प्रयास नहीं कर रही है, मगर सवाल है कि महिलाओं की सुरक्षा को लेकर वहां इतनी लचर व्यवस्था क्यों है कि ऐसी घटनाएं हो जाती हैं। यह केवल किसी अस्पताल तक सीमित समस्या नहीं है। सामान्य रूप से भी घर से बाहर निकलते वक्त महिलाएं सशंकित रहती हैं कि उनके साथ कुछ अनहोनी न घट जाए। अगर पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री सचमुच महिलाओं की सुरक्षा को लेकर गंभीर हैं, तो उन्हें इस दिशा में व्यावहारिक कदम उठाने का प्रयास करना चाहिए।

बचत की बुनियाद

किसी भी देश की अर्थव्यवस्था की सेहत का पता इस बात से भी चलता है कि उसके बैंकों का कारोबार कैसा है। बैंकों का कारोबार मुख्य रूप से लोगों से जमा आकर्षित करने और उसे कर्ज के रूप में देकर उससे ब्याज कमाने से चलता है। मगर इस समय भारतीय बैंकों में जमा और कर्ज का अंतर काफी बढ़ गया है। इसे लेकर सरकार और भारतीय रिजर्व बैंक की चिंता स्वाभाविक है। पिछले दिनों मौद्रिक समीक्षा के वक्त आरबीआइ के गवर्नर ने बैंकों से इस अंतर को पाटने के लिए विशेष योजनाएं चलाने की सलाह दी थी। उन्होंने कहा कि बैंक ब्याज दरें निर्धारित करने को स्वतंत्र हैं। यही बात केंद्रीय वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण ने आरबीआइ गवर्नर के साथ बैठक में कही। वित्तमंत्री ने कहा कि बैंक अपने मुख्य कारोबार पर ध्यान दें। लोगों से जमा आकर्षित करने के लिए वे आकर्षक योजनाएं चला सकते हैं। दरअसल, सार्वजनिक बैंक निवेश की कमी के चलते गंभीर परेशानियों के दौर से गुजर रहे हैं। कायदे से बैंक अपनी ब्याज दरें रेपो दरों से आधा से लेकर एक फीसद तक ऊपर रख सकते हैं। मगर इस मामले में भी उन्हें कुछ राहत दी गई है, फिर भी उनके पास अपेक्षित जमा नहीं आ पा रहा। इसकी वजहें साफ हैं। पिछले कुछ वर्षों से लोगों की आमदनी लगातार कम हुई है। पहले जीएसटी की वजह से छोटे कारोबारियों पर बुरा असर पड़ा, फिर कोरोनाकाल में पूर्णबंदी के बाद बहुत सारे कारोबार बंद हो गए, लाखों लोगों की नौकरियां चली गईं। जिन लोगों के पास नौकरियां हैं भी, उनके वेतन में तुलनात्मक रूप से काफी कम बढ़ोतरी हुई है, जबकि महंगाई काफी बढ़ गई है। इस तरह बहुत सारे लोगों के पास बचत के लिए पैसे हैं ही नहीं कि उन्हें वे बैंकों में रखें। बल्कि इसका उलट यह हुआ है कि छोटे–छोटे काम के लिए भी लोगों को कर्ज लेने पड़ रहे हैं। कर्ज पर ब्याज की भरपाई करना भी बहुत सारे लोगों के लिए कठिन बना हुआ है। बचत के बारे में लोग तब सोचते हैं, जब उनके पास जरूरी खर्चों से अधिक आमदनी होती है। मगर सरकार लगातार इस हकीकत पर पर्दा डालने का प्रयास करती रही है कि रोजगार और आमदनी के स्रोत लगातार घटे हैं। कुछ दिनों पहले आम बजट पेश करते हुए वित्तमंत्री ने खुद दोहराया था कि बेरोजगारी कोई समस्या नहीं है, गरीबी लगातार कम हो रही है। अगर सचमुच ऐसा होता, तो सरकार को इस तरह बचत बढ़ाने को लेकर चिंतित न होना पड़ता। बैंकों में लोगों द्वारा जमा बचत से राष्ट्रीय बचत बनती है। जिस देश के पास राष्ट्रीय बचत जितनी अधिक होती है, उसे अपनी विकास परियोजनाएं चलाने में उतनी ही आसानी होती है।

कोचिंग और निजी चिकित्सा क्षेत्र का सच

प्रेम शर्मा

मानक विहीन और मात्र हजार से दो हजार स्क्वायर फिर में बेंसमेन्ट तक निर्माण कर मानक विहीन निजी चिकित्सालय और ट्रामा सेन्टर मानव जीवन के साथ खिलवाड कर रहे है।

एक सुन्दर भविष्य की कल्पना लेकर देश की राजधानी से लेकर हर राज्य की राजधानियों एवं लगभग हर जिला मुख्यालय में मानक विहीन कोचिंगों में लाखों बच्चे तैयारी कर रहे है। लेकिन इन कोंचिग सेन्टरों का क्या हाल है किसी से छूपा नही है। छोटे छोटे कमरे में भूसे की तरह भरकर छात्रों को शिक्षा दी जा रही है। ठीक यही हाल चिकित्सा के क्षेत्र में फैला हुआ है। मानक विहीन और मात्र हजार से दो हजार स्क्वायर फिर में बेंसमेन्ट तक निर्माण कर मानक विहीन निजी चिकित्सालय और ट्रामा सेन्टर मानव जीवन के साथ खिलवाड कर रहे है। भविष्य संवारने की आकांक्षा लेकर आए तीन स्टूडेंट्स की जिन हालात में मौत हुई, वह दुखद तो है ही, शर्मनाक भी है। इस घटना ने राष्ट्रीय राजधानी सहित पूरे देश के कोचिंग संस्थानों के इन्फ्रास्ट्रक्चर मेनटेनेंस से जुड़े तमाम विभागों और उनके कर्मचारियों पर ही नहीं, इनके संचालन और देखरेख की जिम्मेदारी संभाल रहे राजनीतिक नेतृत्व पर भी सवाल खड़े कर दिए हैं। ऐसे में मानक विहीन 80 प्रतिशत कोचिंगो और निजी क्षेत्र की चिकित्सा वाले क्षेत्र के प्रति सरकार की अनदेखी, बेरूखी ने जनमानस के दिलो दिमाग में अपनी मजबूरी और सरकार की दृढ़इच्छा शक्ति के प्रति तमाम सवाल खड़े कर दिये है। दिल्ली की घटना से नींद में जागे स्थानीय प्रशासन और राजनीतिक नेतृत्व न केवल धड़ाधड़ कई गिरफ्तारियां कर ली गई बल्कि कुछ कर्मचारियों और अधिकारियों के खिलाफ बर्खास्तगी और निलंबन जैसे कदम उठाते हुए घटना के सभी पहलुओं की विस्तृत जांच के आदेश भी दे दिए गए। संसद में भी यह मामला गूंजा। न्यायालय पहुंचा और सीबीआई जॉच के आदेश हुए। इस घटना के बाद केवल बिहार सरकार ने तत्काल कार्रवाई करते हुए केवल पटना में ही मानक विहिन 150 से ज्यादा कोंचिग सेन्टरों को बंद करने का फैसला लिया। लेकिन बिहार में अभी भी काफी संख्या में मानक विहीन कोचिंग सेन्टर होने की खबर को नकारा नही जा सकता। इसके बाद मध्यप्रदेश सरकार ने भी कुछ कार्रवाई की है। लेकिन इसे पर्याप्त नही कहा जा सकता। इतनी बड़ी घटना के बाद अन्य राज्यों में भले ही संख्त आदेश दिए गए हो लेकिन यथार्थ में कोई अभियान नही चलाया गया। स्थिति स्पष्ट है कि भारत के भविष्य को लेकर सरकारें यथार्थ से दूर है। यही हाल लगभग चिकित्सा के क्षेत्र में व्याप्त ''नीम हकीम खतरे जान '' केवल ग्रामीण क्षेत्रों में ही मानव के जीवन से खिलवाड़ कर रहे है लेकिन राजधानियों से लेकर जनपद मुख्यालयों तक पर किराये के विशेषज्ञों के भरोंसे मानक विहिन निजी चिकित्सालयों और ट्रामा सेन्टरों की भरमार है। इन हालातों के लिए कौन जिम्मेदार है ? इन पर कब कार्रवाई होगी ? ऐसे कई सवाल दिल्ली की घटना के बाद पूरे देश के जनमानस के दिलो दिमाग पर छाये हुए है। इसी तरह से वर्ष 2022 में जबलपुर के ही शिवनगर स्थित न्यू लाइफ केयर मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल में आग लगी थी। इसमें आठ लोगों की मौत हुई थी। लगभग ढाई माह पूर्व जयपुर के सांगनेरी गेट स्थित महिला चिकित्सालय में आग के कारण लगभग 50 से ज्यादा महिला और बच्चों की जान घन्टो जोखिम में रही। जून 24 में दिल्ली सफदरगंज अस्पताल की पुरानी इमरजेन्सी, मई 24 में दिल्ली के विवेक बिहार स्थित बेबी केयर सेन्टर में आठ बच्चों की मौत के बाद भी किसी राज्य सरकार ने मानक विहिन चिकित्सालयों एवं ट्रामा सेन्टरों के खिलाफ कोई अभियान नही छेड़ा न ही इनको बंद कराने के लिए कोई संख्त दिशा निर्देश दिए। गौर करने की बात यह है कि इस दुखद घटना को अंजाम देने वाले हालात न तो नए हैं और न ही ऊपर से नीचे तक सरकारी तंत्र का कोई भी हिस्सा इनसे अनजान है। दिल्ली के ओल्ड राजेंद्रनगर और मुखर्जी नगर जैसे इलाके कोचिंग हब के रूप में काफी पहले से जाने जाते रहे हैं। वहां कैसी इमारतों में किन हालात में कोचिंग सेंटर चलते हैं और स्टूडेंट्स प्रतिष्ठित सेवाओं की तैयारी करते हैं, यह किसी से छिपा नहीं है। इससे पहले भी आग लगने जैसी घटनाएं उन विषम हालात की ओर सबका ध्यान खींच चुकी हैं। सबसे बड़ा सवाल यह है कि जब सबको पहले से यह सब पता था, तो समय रहते कार्रवाई क्यों नहीं हुई और यह भी कि क्या गारंटी है, कुछ समय बाद फिर सबकुछ पहले जैसा ही नहीं हो जाएगा। जी हाँ, शिक्षा स्वास्थ्य सेवाएं वास्तव में एक व्यावसायिक व्यवसाय बन गई है। स्कूल और कॉलेज प्रशासन छात्रों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने के बजाय पैसा कमाने के बारे में अधिक चिंतित हैं। 90 प्रतिशत शिक्षा संस्थान व्यवसाय बन गए हैं। केवल 10 प्रतिशत ही ऐसे हैं जो उचित शुल्क पर उच्च स्तर की शिक्षा प्रदान करते हैं। आज का समय बड़ा ही विचित्र है कोई भी व्यक्ति मानों अपनी स्वार्थ सिद्धि के लिए किसी भी हद तक जाने से बाज नहीं आता, बस कैसे भी उसे आर्थिक लाभ होना चाहिए चाहे व नैतिक तरीके से हो या फिर अनैतिक तरीका। यह स्थिति किसी भी क्षेत्र में ले लीजिए चाहे वह शिक्षा का क्षेत्र हो या फिर स्वास्थ्य क्षेत्र क्योंकि यदि दोनों क्षेत्र में हमारे देश अथवा राज्य की सुविधाएं दुरुस्त नहीं होगी तो हमारा देश अथवा राज्य भविष्य में विकास की ओर उन्मुख नहीं होगा। हमें अपने भविष्य के विषय में तनिक भी चिंता नहीं क्योंकि देश का भविष्य जनता के स्वास्थ्य व आगामी पीढ़ी की शिक्षा से पूर्ण रूप से संबंध रखता है। यदि जनता अशिक्षित या फिर रोगी है तो देश के भविष्य का सर्वांगिण विकास विफल निश्चित होगा। पिछले कई दशकों से हमारी सरकारें प्राथमिक शिक्षा व स्वास्थ्य सेवाओं को दुरुस्त करने के लिए काफी प्रयास रत है। लेकिन परिणाम नगण्य ही रहें। कोचिंग सेन्टरों और निजी क्षेत्र के चिकित्सा सेवा का यह सच कड़वा जरूर है किसी घटना के बाद ही इसका आभास होता है। इसके विपरीत यदि अतिशीघ्र उक्त दोनों क्षेत्रों को हमारी केंद्र व राज्यों सरकार द्वारा अतिशीघ्र दुरुस्त कर लिया जाता है तो हमारा हिंदुस्तान शीघ्र ही विकसित देशों की दौड़ में सबसे आगे होगा। परंतु विडम्बना यह है कि हमारे देश में शिक्षा व स्वास्थ्य सेवाओं के निजीकरण ने स्कूलों तथा अस्पतालों को उच्च किस्म का व्यापार बना दिया है।

जागो युवा देश के ऊर्जावान नौजवानों भविष्य को मुट्ठी में कर

संजीव ठाकुर

भारत ने युवाओं के दम पर पेरिस ओलम्पिक में एक सिल्वर और चार ब्रॉन्ज कुल पांच पदक जीत कर खेलों की दुनिया में परचम लहराया है,आने वाले समय मे ये ही युवा पदकों की सृंखला भी जीत कर लाएंगे ऐसी आशा बलवती हुई है एक बहुत अच्छी कहावत है कि ष्आशाओं पर आकाश टिका हुआ हैष् और निसंदेह आशा,उम्मीद, संभावना बहुत ही सारगर्भित एवं चमत्कारिक शब्द भी हैं। उम्मीद जो इतिहास में कई बार चमत्कार करती आई है।वैश्विक स्तर पर भारत देश को युवा जनसंख्या का सरताज देश माना जाता है। भारत के नौजवानों की क्षमता का लोहा अमेरिका, ब्रिटेन,फ्रांस, कनाडा, इजरायल और अन्य पश्चिमी देश मानते हैं। विश्व में ऐसा कोई भी क्षेत्र नहीं जहां भारत की युवा जनसंख्या ने अपना परचम ना फैलाया हो। इसीलिए नेपथ्य के परिदृश्य में यह आवाज सदैव बुलंद होती है कि युवा देश के युवा नागरिकों आगे बढ़ो दुनिया को मुट्ठी में कर लो, भविष्य हमेशा तुम्हारा है और रहेगा। किसी भी राष्ट्र को बड़ा बनाने या समृद्ध बनाने के लिए वर्षों की मेहनत अथक प्रयास और सकारात्मक सोच के साथ संयम एवं उच्च मनोबल की आवश्यकता होती है, तब जाकर ही राष्ट्र एक मजबूत तथा विकासवान राष्ट्र बन पाता है। हमें सदैव वर्तमान में जीना चाहिए, इतिहास से शिक्षा लेनी चाहिए और भविष्य के प्रति सकारात्मक सोच के साथ आगे सदैव अग्रसर होते रहना चाहिए। आजादी के 75 वर्ष के बाद भारत ने विकास की गति को बहुत मजबूती के साथ थामा हुआ है। 145 करोड़ की जनसंख्या वाले देश में युवा जनसंख्या का प्रतिशत बहुत ज्यादा है, आने वाले भविष्य में देश की बागडोर इन्हीं युवा हाथों में होने वाली है। यह आशा एवं उम्मीद का ही प्रतिफल है कि हम सकारात्मक होकर उच्च मनोबल के साथ किसी लक्ष्य की तरफ आगे बढ़ते है। फिर यदि लक्ष्य मेडिकल साइंस में किसी नई दवा को इजाद करना हो या स्पेस रिसर्च में नई टेक्नोलॉजी लाना हो या देश मे विकास की नई धारा को प्रवाहित करना हो या खेल का मैदान हो, सकारात्मक ऊर्जा हमें इस संदर्भ में मदद करने वाला अवयव होता है। अच्छी और सही सोच हमेशा अच्छे परिणाम देने वाला होती है, पर बिना सकारात्मक सोच के और बिना किसी सार्थक परिणाम की कल्पना किए हुए उस पर पसीना बहाना बड़ा ही दुष्कर कार्य प्रतीत होता है। अच्छे पद अथवा अच्छे अंक प्राप्त करने के लिए विद्यार्थी सकारात्मक सोच और उच्च मनोबल तथा संयम को लेकर ही आगे अपनी तैयारी करता है एवं उच्चतम अंक या उच्च पद की प्राप्ति करता है। कोई भी खिलाड़ी ओलंपिक में बिना पदक की लालसा के तैयारी नहीं कर सकता और पदक को लक्ष्य मानकर जब वह पूर्ण मनोबल के साथ आशाओं की लकीरों के मध्य वह जब अपना पसीना मैदान में बहाता है तो वह लक्ष्य प्राप्ति की ओर लगातार अग्रसर होता है और उसे अंत में अपनी सकारात्मक ऊर्जा के कारण वह पदक अवश्य प्राप्त होता है। दार्शनिक भी कहते हैं कि लक्ष्य प्राप्ति के लिए एक

बेहतर और अच्छी शुरुआत सफलता का बहुत बड़ा हिस्सा होती है। हम संभावनाओं के दम पर जो हमें निरंतर प्रेरित करती है अपना पहला कदम उठाकर सफलता सुनिश्चित करते हैं। जीवन की कटु सच्चाई तथा जिंदगी के उतार–चढ़ाव को झेलने के लिए एवं सफलता की ओर अग्रसर होने के लिए हमें आशा एवं सकारात्मक सोच की सदैव मदद करती इसके बिना किसी सफलता के बारे में सोचना भी बेमानी होगा। संभावनाओं को दृष्टिगत रखते हुए हमें अपने संपूर्ण मनोबल के साथ उस कार्य को अंजाम देने के लिए अपनी तरफ से पूरी पूरी कोशिश करनी होगी एवं लक्ष्य के साथ दे तथा साधनों के बारे में पूरी जानकारी प्राप्त कर उस के संदर्भ में उसके अंतर्निहित हर तत्व को भलीभांति पहचान कर उस पर मेहनत करनी होगी अन्यथा बड़े लक्ष्य की प्राप्ति के लिए यदि मेहनत और कठोर श्रम न किया जाए तो असफलता ही हाथ लगती है ।यही वजह है कि जिन भी बड़े लोगों ने बड़ी सफलता प्राप्त की है निसंदेह उन्होंने कठिन परिश्रम अपने लक्ष्य के लिए किया था, है और करेंगे। हर बड़े कार्य को करने के लिए अच्छी योजना ,अच्छा आकलन एवं उस सफलता को अपना बनाने के लिए सही विचार तथा नीतियां बनानी होगी एवं अपने उपलब्ध संसाधनों का विश्लेषण तथा अवलोकन कर उसकी क्षमता का आकलन करना होगा। केवल हवा में सकारात्मक सोच और मनोबल के दम पर किसी बड़े लक्ष्य को प्राप्त नहीं किया जा सकता। उत्तम एवं बड़े सकारात्मक लक्ष्य की प्राप्ति के लिए एक बड़ी सोच अथक मेहनत एक सुनियोजित नीति एवं पृष्ठभूमि में शांत चित्त मस्तिष्क की आवश्यकता होती है। सर्वप्रथम हमारे सामने जो उपलब्ध वर्तमान का समय है वर्तमान के अवसर संपूर्ण सदुपयोग कर भविष्य की तमाम सफलताओं को सुनिश्चित किया जा सकता है। हमें सदैव चौकन्ना रहकर जो हमारे सामने समय सीमा है एवं समय के अवसर हैं उन्हें पहचान कर उसका संपूर्ण दोहन कर उपलब्ध संसाधनों का परीक्षण कर समेकित रूप से सब का समुचित उपयोग कर लक्ष्य की प्राप्ति की ओर जागृत होना चाहिए। जैसा कि हमारे प्रधानमंत्री ने कहा की करोना काल में हमें आपदा में अवसर की तलाश करनी चाहिए और अवसर ही हमें किसी भी विकट परिस्थिति से लड़ने एवं उस पर नियंत्रण रखने की शक्ति एवं ऊर्जा प्रदान करते हैं। यह सकारात्मक सोच का ही परिणाम है की कोविड–19 के संक्रमण में भारत जैसे विशाल जनसंख्या वाले देश में उस पर प्रभावी नियंत्रण किया एवं उस पर विजय प्राप्त की है। यह आसान काम नहीं था किंतु पूरे देश के नागरिकों एवं अग्रिम नेताओं की सकारात्मक सोच तैयारी एवं संसाधनों के समुचित प्रयोग से ही संभव हो पाया। आज हमारे सामने समाज में जो भी हमारे प्रेरणा स्रोत हैं, वे कभी चुनौतियों के सामने झुके नहीं और ना ही उन्हें किसी प्रकार की समाजिक कठिनाई अथवा चुनौती झुका पाई और यही कारण है की वह हमारे प्रेरणा स्रोत बने हुए हैं। इस संदर्भ में हर व्यक्ति को सकारात्मक सोच रख कर अपने मौजूदा संसाधनों का संपूर्ण दोहन कर सटीक नीति और भविष्य की योजनाएं बनाकर उस पर मेहनत करनी होगी और मेहनत से उपजे आत्मबल तथा संयम के साथ किसी भी लक्ष्य की प्राप्ति के लिए संपूर्ण ऊर्जा समेकित रूप से केंद्रित कर उस लक्ष्य की प्राप्ति करनी होगी। नागरिकों के समेकित प्रयास अच्छी सोच और कड़ी मेहनत से ही संपूर्ण राष्ट्र वैश्विक स्तर पर एक आदर्श तथा प्रेरणादायक राष्ट्र बनने की क्षमता की ओर आगे बढ़ सकता है।

इजरायल–पिलिस्तीनी युद्ध से वैश्विक अशांति के दुष्परिणाम की आशंका

इसराइल के फिलिस्तीन पर कब्जे और हमास के कमांडर इन चीफ स्माइल हनिया कि तेहरान में हुई हत्या के फल स्वरुप उपजे आक्रोश में इस्लामी सहयोग संगठन की महत्वपूर्ण बैठक सऊदी अरब के जेद्दा शहर में आयोजित की गई, इस्लामी सहयोग संगठन अपने को 57 इस्लामिक देश का प्रतिनिधित्व करने वाला संगठन होने दावा पेश करता है, जिसमें पाकिस्तान,ईरान और तुर्की जैसे गैर अरब देश भी शामिल हैं। यह महत्वपूर्ण बैठक ईरान,तुर्की तथा पाकिस्तान के अनुरोध पर आयोजित की गई जिसमें ईरान को इसराइल के विरुद्ध आगामी होने वाले युद्ध में हर संभव मदद का आश्वासन दिया गया है। इन मुस्लिम देशों के संगठन आइओसी में सभी इस्लामी देशों के विदेश मंत्रियों ने शिरकत की है इसके अंतर्गत यदि ईरान का इजरायल के साथ संघर्ष बढ़ता है तो पाकिस्तान ईरान को पाकिस्तान द्वारा निर्मित शाहीन–3 बैलिस्टिक मिसाइल की बड़ी खेप की आपूर्ति करेगा इसके अलावा मैदानी मदद करने का भी आश्वासन पाकिस्तान ने ईरान को दिया है. इसी तरह तुर्की एवं अन्य इस्लामी देशों में ईरान द्वारा इजरायल में हमला करने के दौरान सामरिक तथा हथियारों की मदद करने का पक्का वादा किया है। पाकिस्तान की ओर से ईरान को मिसाइल दिए जाने के वादे के दावे से पहले महत्वपूर्ण देश रूस ने तेहरान को हथियारों की बड़ी तादाद में मदद मुहैया कराई है। समाचार एजेंसी दी वाल स्ट्रीट जनरल के अनुसार रूस ने इसराइल के विरुद्ध ईरान यदि हमला करता है तो तो ईरान रूस द्वारा प्रदत्त हथियारों का उपयोग करेगा, एजेंसी ने आगे बताया कि रूस का एक सामरिक प्रदान करने वाला कार्गो विमान आई एल 76 टीडी 2 अगस्त को पहले ही तेहरान के हवाई अड्डे पर उतर चुका है उल्लेखनीय है कि यह एयरलाइन हथियारों के ट्रांसपोर्ट के लिए मानी जाती है और इसके पूर्व भी रूस ने ईरान को बड़ी संख्या में हथियार भेजने का दावा भी किया है इसके अलावा भविष्य में चीन तथा रूस ने संयुक्त रूप से ईरान की इस युद्ध में मदद करने की पेशकश कर चुके हैं। यह गौर तलब है कि ईरान इजरायल द्वारा पिलिस्तीन पर कब्जा किए जाने तथा हमास के सैन्य प्रमुख स्माइल हानियां की हत्या से अत्यंत आक्रोशित है इसी के परिणाम स्वरूप वह इसराइल पर हमले करने की तैयारी के लिए सैन्य अभ्यास में जुट गया है। अमेरिका की खुफिया एजेंसी ने इस बात से इनकार किया है कि उसे ईरान की तैयारी के संबंध में सब कुछ मालूम है एवं उसे अभी भी यह नहीं पता है कि ईरान कब और कैसे इसराइल पर हमला कर सकता है एवं हमले का सही समय क्या होगा पर ईरान ने दावा किया है कि वह बहुत जल्द स्माइल हानियां की हत्या का बदला लेने इजरायल पर हमला करने वाला है। महत्वपूर्ण बात यह है कि सऊदी अरब और ईरान के संबंध बहुत अच्छे नहीं माने जाते रहे हैं सऊदी अरब इजराइल का करीबी देश माना जाता रहा है पर इजरायल द्वारा स्माइल हानियां की हत्या में वह इस्लामी देशों के साथ ईरान के साथ भी खड़ा है एवं उसने इस घटना को लेकर इसराइल से अपना विरोध जताया है और अब अपने संबंध इसराइल से लगभग खत्म कर दिए हैं। इराक के भी संबंध ईरान से कभी मधुर नहीं रहे पर इजरायल के मामले में इराक,यमन,जॉर्डन एवं अन्य देश लेबनान तथा ईरान की सरकार के साथ खड़े होते दिखाई दे रहे हैं। इस बैठक के पूर्व लेबनान ने इसराइल पर लगभग 40 रॉकेट लांचर से हमले किए हैं जिसे इसराइल ने अपने रक्षात्मक आयरन डोम द्वारा हवा में ही नष्ट कर दिए हैं अब इस्लामी संगठन की इस बैठक में कई बातें जो सार्वजनिक नहीं की गई है उनमें यह तथ्य छन छन कर बाहर आ रहें है कि सभी 57 सदस्य देश इस युद्ध में इसराइल के खिलाफ शामिल होंगे एवं लेबनान तथा ईरान आगे बढ़कर इसराइल पर हमला करेंगे। उधर इजराइल का साथ देने के लिए अमेरिका ने स्पष्ट रूप से घोषणा कर दी है अब तक वह लगातार हथियार तथा लड़ाकू विमान इसराइल को प्रदान करते आ रहा है। अमेरिका के अलावा ब्रिटेन, फ्रांस, कनाडा, ऑस्ट्रेलिया इस युद्ध में इस्लामी संगठन के खिलाफ अपना मोर्चा खोल सकते हैं, उधर खाड़ी देशों के प्रतिनिधियों ने भारत से इजरायल के अच्छे संबंधों का हवाला देते हुए इसराइल को युद्ध रोकने हेतु समझाइए देने की बात कही है। इन परिस्थितियों में इसराइल और हमास समर्थित देशों के मध्य संभावित युद्ध में अनेक देशों के जद में आने की संभावना बालवती हो गई है ऐसे में एक बड़े विश्व युद्ध की आशंका भी रक्षा विशेषज्ञ जता रहे हैं जिससे पूरे विश्व के अनेक देशों में इसका प्रभाव पड़ने की संभावना भी बताई जा रही है। वैसे वैश्विक परिदृश्य में देखा जाए तो पूरे विश्व में हिंसा और युद्ध के संकट के बादल गहराते नजर आ रहे हैं रूस यूक्रेन युद्ध एक लंबे समय से लड़ा जा रहा है इसमें रूस के विरुद्ध अमेरिका तथा यूरोपीय देश डटकर यूक्रेन का साथ दे रहे हैं और रूस पर अनेकों आर्थिक प्रतिबंध भी लगाए गए हैं बावजूद इसके दोनों देशों के मध्य युद्ध के रुकने के आसार नजर नहीं आ रहे हैं। इसके अलावा बांग्लादेश में शेख हसीना की सरकार का तख्ता पलट कर नई सरकार का गठन हो गया है। वहां भी सरकार को हिंसात्मक आंदोलन से ही बदला गया है। कुल मिलाकर पूरे विश्व में वैश्विक अशांति का नजारा दिखाई दे रहा है जो कि मानव जाति के लिए एक बहुत बड़ा खतरा हो सकता है। ऐसे में संयुक्त राष्ट्र संघ तथा तटस्थ देश की भूमिका शांति स्थापित करने के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाती है अब यह तो भविष्य ही बताएगा की शांति प्रयासों का क्या प्रतिफल मिलने की संभावना है।

फिल्म 'फिर आई हसीन दिलरुबा' में कौशल हाल ने भाई सनी कौशल के अभिनय को देख कहीं ये बात...

> अभिनेता विक्की कौशल हाल ही में अपने भाई सनी कौशल की आगामी नेटफ्लिक्स फिल्म फिर आई हसीन दिलरुबा की विशेष स्क्रीनिंग में शामिल हुए, जिसमें विक्रांत मैसी और तापसी पन्नू भी हैं। इस कार्यक्रम में दीया मिर्जा और अपारशक्ति खुराना भी मौजूद थे। इस दौरान विक्की कौशल काफी खुश हैं और सोशल मीडिया पर पोस्ट शेयर करते हुए जमकर की तारीफ।

तापसी पन्नू और विक्रांत मैसी स्टारर 'फिर आई हसीन दिलरुबा' नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम हो चुकी है। इस सीक्वल में हर्षवर्धन राणे की जगह सनी कौशल नजर आएंगे। फिल्म में अपने भाई सनी कौशल की परफॉर्मेंस से एक्टर विक्की कौशल काफी खुश हैं और सोशल मीडिया पर पोस्ट शेयर करते हुए जमकर तारीफ की। अभिनेता विक्की कौशल हाल ही में अपने भाई सनी कौशल की आगामी नेटफ्लिक्स फिल्म फिर आई हसीन दिलरुबा की विशेष स्क्रीनिंग में शामिल हुए, जिसमें विक्रांत मैसी और तापसी पन्नू भी हैं। इस कार्यक्रम में दीया मिर्जा और अपारशक्ति खुराना भी मौजूद थे। इस दौरान विक्की कौशल काफी खुश हैं और सोशल मीडिया पर पोस्ट शेयर करते हुए जमकर की तारीफ। विक्की ने अपने इंस्टाग्राम स्टोरी पर भाई सनी के साथ एक फोटो शेयर की, जिसमें दोनों ब्लैक लुक में नजर आ रहे हैं। विक्की ने पोस्ट के कैप्शन में लिखा, "आपने इस तरह के एक ट्विस्टिड कैरेक्टर को प्ले करने की अपनी क्षमता से मुझे वाकई हैरान कर दिया। आपने अपना किरदार बहुत बढ़िया तरीके से निभाया। मैं जानता हूं कि आप इस रोल को निभाने के लिए कितने एक्साइटेड थे और मैं देख सकता हूं कि आपको इसे पूरी तरह से निभाने में मजा आया। आप पर गर्व है! ऑनवार्ड्स एंड अपवार्ड्स ब्रदर।"'फिर आई हसीन दिलरुबा' की बात करें तो पिछले पार्ट में जहां कहानी रुकी थी, वहीं से आगे बढ़ती है। पुलिस की आंखों में खुद को मरा हुआ साबित कर रिशू (विक्रांत मैसी) और रानी (तापसी पन्नू) हरिद्वार के ज्वालापुर से भागकर आगरा में बस जाते हैं। लेकिन पुलिस का डर लगातार बना रहता है, जिसके चलते दोनों विदेश भागने का प्लान बनाते हैं। इसके लिए वह अपनी पहचान छिपाकर अलग–अलग जिंदगी काटते हैं। नए शहर में दोनों को दो नए आशिक भी मिलते हैं, जहां रिशू की मकान मालकिन पूनम (भूमिका दुबे) उसके साथ संबंध बनाना चाहती है, तो वहीं रानी से एक सीधे–साधे कंपाउंडर अभिमन्यु (सनी कौशल) को प्यार हो जाता है। मासूम दिखने वाले अभिमन्यु की अपनी कहानी है, उसके कई राज हैं। दोनों जगह–जगह शायरी लिखकर अपना मैसेज एक–दूसरे तक पहुंचाते हैं। तमाम हथकंडे अपनाने के बाद भी वह पुलिस की नजर से बच नहीं पाते। दरअसल, रिशू के दूर के रिश्तेदार और नील के चाचा 'मोंटू चाचा' (जिमी शेरगिल) ने 24 घंटे रानी के पीछे एक पुलिस वाला लगाया हुआ था, जो उस पर नजर रख रहा था। पकड़े जाने पर रिशू सरेंडर करने के बारे में सोचता है, वहीं रानी पुलिस का ध्यान भटकाने के लिए अभिमन्यु से शादी करने का फैसला ले लेती है। ऐसे में दोनों की जिंदगी में क्या भूचाल आता है, ये फिल्म देखने पर ही पता चलेगा।

इस मशहूर टीवी एक्ट्रेस को बहन मानते हैं अक्षय कुमार, एक–दूजे को कई सालों से जानते हैं दोनों

यूं तो आप बॉलीवुड इंडस्ट्री के कई ऐसे सेलेब्स के बारे में जानते होंगे जो कि राखी ब्रदर या राखी सिस्टर हैं। जैसे कि ऐश्वर्या राय सोनू सूद को अपना राखी भाई मानती हैं। तो वहीं करीना कपूर –मनीष मल्होत्रा को अपना राखी ब्रदर मानती हैं। दोनों के बीच काफी अच्छी बॉन्डिंग हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि मशहूर टीवी एक्ट्रेस रूपाली गांगुली बॉलीवुड के खिलाड़ी कुमार की राखी सिस्टर हैं? जी हां, अक्षय कुमार–रूपाली गांगुली को अपनी बहन मानते हैं। दोनों का ये रिश्ता सालों पुराना है। दरअसल, इस बात का खुलासा तब हुआ जब अक्षय कुमार अपनी फिल्म 'रक्षाबंधन' का प्रमोशन करने एक शो में पहुंचे थे। इसी शो पर दोनों के रिश्ते की सच्चाई सबके सामने आई थी। इस दौरान रूपाली गांगुली ने अक्षय कुमार के लिए कहा था कि, ये मेरे भाई है और मेरे दिल के बेहद करीब है। फिर अक्षय ने ये खुलासा किया था कि रूपाली उन्हें 30 साल पहले लगातार पांच साल तक राखी बांधती रही। इसके बाद इस शो के मंच पर ही रुपाली गांगुली ने सालों बाद अक्षय कुमार को राखी बांधी थी, उन्हें तिलक लगाया था फिर उनकी आरती उतारी और पैर छूकर उनका आशीर्वाद लिया था। इस दौरान अक्षय रूपाली से ये भी कहते हैं कि अब हर साल बांधना, रुक मत जाना। ये पल दोनों के लिए भावुक कर देने वाला पल था, वीडियो में दोनों को इमोशनल होते हुए देखा जा सकता है। बता दें, अक्षय कुमार की मल्टी स्टारर फिल्म 'खेल खेल में' सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए तैयार है। इस फिल्म के अलावा अक्षय कुमार 'सिंघम अगेन', 'हेरा फेरी 3' और 'वेलकम टू द जंगल' जैसी कई फिल्मों में भी नजर आने वाले हैं। वहीं रूपाली गांगुली की बात करे तो टीवी शो 'अनुपमा' ने उन्हें इंडस्ट्री की टॉप अभिनेत्री बना दिया है। इस सीरियल में रुपाली गांगुली साड़ी पहने एक सीधी–महिला 'अनुपमा' का रोल निभा रही हैं, जो अपनी दमदार एक्टिंग से घर–घर में छाई हुई हैं।

सलमान खान के साथ बिग बॉस 18' होस्ट करेंगे अब्दु रोजिक? बताया कैसी चल रही हैं तैयारियां

पिछले महीने 21 जून को शुरू हुआ रियलिटी शो 'बिग बॉस ओटीटी 3', जिसको इस बार बॉलीवुड एक्टर अनिल कपूर ने होस्ट किया था, इसी महीने 2 अगस्त को खत्म हुआ है. जिसके बाद अब फैंस 'ठपहह ठवे 18' के आने का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं. जिसको हमेशा की तरह सउंद झींद ही होस्ट करने वाले हैं. इसी बीच शो को लेकर एक बड़ी खबर सामने आ रही है, जिसने सभी को हैरान कर दिया है. पिछले महीने 21 जून को शुरू हुआ रियलिटी शो 'बिग बॉस ओटीटी 3', जिसको इस बार बॉलीवुड एक्टर अनिल कपूर ने होस्ट किया थाअब फैंस 'बिग बॉस 18' के आने का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं ईटाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक, 'बिग बॉस 16' के एक्स–कंटेस्टेंट अब्दु रोजिक इस बार सलमान खान के साथ शो के 18वें सीजन को होस्ट करने जा रहे हैं. ताजिकिस्तानी सिंगर और बॉक्सर अब्दु रोजिक को रियलिटी शो के निर्माताओं ने आने वाले सीजन में कई खास सेगमेंट की मेजबानी करने के लिए चुना है. रोजिक ने भी इस खबर की पुष्टि की और साझा किया कि वे शो में वापस आने के लिए काफी एक्साइटेड हैं.रोजिक ने इस बारे में बात करते हुए कहा, 'मैं बिग बॉस 18 में इस किरदार के लिए वापस आकर रोमांचित हूं. बिग बॉस 16 में मेरा समय एक खूबसूरत सफर था और मैं इन स्पेशल सेगमेंट्स में अपनी एंर्जी लाने के लिए काफी एक्साइटेड हूं. मैं अपनी भाषा और सिंगिंग स्किल पर बहुत मेहनत कर रहा हूं ताकि ये सुनिश्चित हो सके कि मैं अपना बेस्ट दे सकूं. मैं दर्शकों को ये दिखाने के लिए इंतजार नहीं कर सकता कि हमारे पास क्या है'.रोजिक ने वादा किया कि वे बिग बॉस 18 में एंटरटेनमेंट की एक खुराक जोड़ने जा रहे हैं. उन्होंने कहा, 'बिग बॉस का हिस्सा बनना फिर से घर आने जैसा लगता है, लेकिन इस बार एक नई भूमिका और नई जिम्मेदारियों के साथ. मैं उन सरप्राइज्स और एक्साइटिंग मोमेंट्स का इंतजार कर रहा हूं जिनकी हमने प्लानिंग की है. ये रोमांच से भरा सीजन होने वाला है और मुझे उम्मीद है कि मैं कुछ ऐसा खघस लाऊंगा जो दर्शकों को पसंद आएगा. एक यूनिक सफर का वादा करने के लिए देखते रहिए'.बता दें, 'बिग बॉस 16' में नजर आने के बाद अब्दु रोजिक ने भारत के घर–घर में अपनी पहचान बनाई है. शो में रोजिक के साथ शिव ठाकरे, अर्चना गौतम, साजिद खान, एमसी स्टेन, निमृत कौर अहलूवालिया, शालीन भनोट, टीना दत्ता और सुम्बुल तौकीर खान जैसे कंटेस्टेंट्स नजर आए थे, जिसके साथ उनकी दोस्ती काफी अच्छी थी. शो में अब्दु रोजिक के सफर को काफी पसंद किया गया था. हर कोई उनके साथ मजाक–मस्ती किया करते थे.

आज 29वां जन्मदिन मना रही हैं अभिनेत्री सारा अली खान, अपने दम पर बनाया इंडस्ट्री में नाम

बॉलीवुड की उभरती हुई अभिनेत्रियों में शुमार सारा अली खान आज यानी की 12 अगस्त को अपना 29वां जन्मदिन मना रही हैं। उन्होंने बेहद कम समय में खुद को एक बेहतरीन अभिनेत्री के तौर पर खुद को इंडस्ट्री में स्थापित किया है। वह लाखों लोगों की पसंदीदा एक्ट्रेस हैं। उन्होंने कई हिट फिल्मों में काम किया है। तो आइए जानते हैं उनके बर्थडे के मौके पर अभिनेत्री सारा अली खान के जीवन से जुड़ी कुछ रोचक बातों के बारे में... अभिनेत्री सारा अली खान का मुंबई में 12 अगस्त 1995 को जन्म हुआ था। उनके पिता बॉलीवुड के दिग्गज अभिनेता सैफ अली खान और मां का नाम अमृता सिंह है। साल 2004 में सैफ और अमृता एक–दूसरे से अलग हो गए। जिसके बाद अमृता सिंह ने अकेले सारा और उनके भाई इब्राहिम की देखभाल की। फिल्मों में आने से पहले सारा अली खान ने अपनी शिक्षा पूरी की और आज उनकी गिनती इंडस्ट्री की पढ़ी–लिखी अभिनेत्रियों में होती है। सारा अली खान ने शुरूआती शिक्षा मुंबई के बेसेंट मोंटेसरी स्कूल से पूरी की। फिर वह साल 2016 में उच्च शिक्षा के लिए न्यूयॉर्क चली गईं। इसके बाद उन्होंने कोलंबिया यूनिवर्सिटी से ग्रेजुएशन किया। साल 2018 में सारा अली खान ने फिल्म श्केदारनाथश से डेब्यू किया था। इस फिल्म में सारा अली खान के साथ दिवंगल अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत नजर आए थे। इस फिल्म के अभिनेत्री को श्बेस्ट फीमेल डेब्यूश का फिल्मफेयर अवॉर्ड मिला था। इसके बाद सारा फिल्म श्सिंबाश में रणवीर सिंह के साथ नजर आईं। इसके बाद अभिनेत्री श्अतरंगी रेश, श्गैसलाइटश, श्लव आजकलश, श्जरा हटके जरा बचकेश, श्कूली नंबर 1श, श्मर्डर मुबारकश और श्ऐ वतन मेरे वतनश में देखा गया था। वहीं एक्ट्रेस की आने वाली फिल्मों की बाद करें तो वह अक्षय कुमार के संग फिल्म श्मेट्रो इन दिनोंश और श्स्काई फोर्सश में नजर आ सकती हैं। बता दें कि सारा अली खान पटौदी खानदान से ताल्लुक रखती हैं। वहीं एक्ट्रेस खुद भी करोड़ों की मालकिन हैं। उन्होंने कई बड़ी फिल्मों में काम किया है। एक रिपोर्ट्स की मानें, तो एक्ट्रेस सारा अली खान 41 करोड़ रुपए की संपत्ति की मालकिन हैं। अभिनेत्री एक फिल्म के लिए 5–7 करोड़ रुपए चार्ज करती हैं।

बेटी के जन्मदिन पर संजय दत्त ने अपनी राजकुमारी के लिए लिखा दिल को छू लेने वाला संदेश

बॉलीवुड अभिनेता संजय दत्त, जिन्हें हाल ही में रिलीज हुई उनकी स्ट्रीमिंग फिल्म घुड़चढ़ी के लिए सकारात्मक प्रतिक्रिया मिल रही है, उन्होंने शनिवार को अपनी बड़ी बेटी त्रिशाला दत्त को उनके जन्मदिन पर दिल को छू लेने वाली शुभकामनाएं दी। अभिनेता ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर त्रिशाला के बचपन की एक पुरानी तस्वीर शेयर की, इसमें वह अपनी बेटी को गोद में लिए बैठे नजर आ रहे हैं। अभिनेता ने कैप्शन में लिखा, तुम्हारे इस खास दिन पर मेरी राजकुमारी, मुझे याद आ रहा है कि तुम्हारा पिता बनकर मैं कितना धन्य हूं। तुम्हारा प्यार मेरी दुनिया को ऐसे तरीके से रोशन करता है, जिसे मैं बयां नहीं कर सकता। जन्मदिन मुबारक त्रिशाला दत्त मुझे तुम पर हमेशा गर्व है। 1988 में जन्मी त्रिशाला संजय की पहली पत्नी ऋचा शर्मा की बेटी हैं। 1996 में ब्रेन ट्यूमर से ऋचा का निधन हो गया। इसके बाद, संजय ने 14 फरवरी, 1998 को रिया पिल्लई से शादी की। हालांकि, 2008 में दोनों अलग हो गए। फिर उन्होंने दो साल की डेटिंग के बाद उसी साल मान्यता से शादी कर ली। मान्यता के साथ अपनी शादी से वे 2010 में जुड़वां बच्चों, एक लड़का और एक लड़की के पिता बने। न्यूयॉर्क की मनोचिकित्सक त्रिशाला, मान्यता के साथ बहुत करीबी रिश्ता रखती हैं। उन्हें अक्सर संजय, मान्यता और उनके जुड़वा बच्चों के साथ इवेंट और पार्टियों में समय बिताते देखा जाता है। इस बीच, काम के मोर्चे पर, संजय दत्त के पास कई प्रोजेक्ट हैं। इनमें से पहली पुरी जगन्नाथ द्वारा निर्देशित श्डबल आईस्मार्टश है। फिल्म में वह प्रतिपक्षी की भूमिका में नजर आएंगे और राम पोथिनेनी के साथ भिड़ेंगे। पिछले साल, उन्होंने श्लियोश के साथ तमिल में अपनी शुरुआत की, जिसमें उन्होंने थलपति विजय के साथ स्क्रीन शेयर की। इसके अलावा उनके पास केडी–द डेविल, तरुण मनसुखानी की हाउसफुल 5 और रणवीर सिंह, आर. माधवन, अक्षय खन्ना और अर्जुन रामपाल के साथ एक अनाम फिल्म भी है। इस फिल्म का निर्देशन उरी द सर्जिकल स्ट्राइक फेम आदित्य धर करेंगे।

आंवला की मदद से घर पर बनाएं शैम्पू, घुटनों तक लंबे हो जाएंगे बाल

आंवला सालों से हमारी दादी–नानी के बालों की खूबसूरती का हिस्सा रहा है क्योंकि इसमें विटामिन सी और टैनिन सहित कई खनिज प्रचुर मात्रा में पाए जाते हैं। आंवला में मौजूद पोषक तत्व बालों को काला, लंबा व घना बनाया जा सकता है। अमूमन यह देखने में आता है कि आंवला को हम मास्क के रूप में इस्तेमाल करते हैं और बालों की केयर करते हैं। लेकिन अगर आप चाहें तो आंवला शैम्पू बनाकर भी अपने बालों को पैम्पर कर सकते हैं। यूं तो आपको मार्केट में कई ब्रांड के आंवला शैम्पू आसानी से मिल जाएंगे, लेकिन अगर आप चाहें तो इसे खुद घर पर भी बना सकते हैं। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको आंवला शैम्पू बनाने की कुछ रेसिपीज के बारे में बता रहे हैं–

आंवला और शिकाकाई शैम्पू

यह शैम्पू बालों को मज़बूत बनाने, रूसी को कम करने और बालों की हेल्दी ग्रोथ में मदद करता है।

आवश्यक सामग्री–

2 बड़े चम्मच आंवला पाउडर

2 बड़े चम्मच शिकाकाई पाउडर

1 बड़ा चम्मच रीठा पाउडर

2 कप पानी

शैम्पू बनाने का तरीका–

एक कटोरी में आंवला, शिकाकाई और रीठा पाउडर मिलाएं।

इस मिश्रण में 2 कप पानी डालें और अच्छी तरह मिलाएं।

इस मिश्रण को एक पैन में तब तक गर्म करें जब तक यह उबलने न लगे, फिर आंच कम कर दें और इसे 15–20 मिनट तक उबलने दें।

एक बार हो जाने के बाद, इसे पूरी तरह से ठंडा होने दें, फिर किसी भी अवशेष को हटाने के लिए तरल को छान लें।

छाने हुए लिक्विड शैम्पू की तरह इस्तेमाल करें। इसे अपने स्कैल्प और बालों में मसाज करें, फिर पानी से अच्छी तरह धो लें।

आंवला और हिबिस्कस शैम्पू

हिबिस्कस बालों में नेचुरल शाइन लेकर आता है और समय से पहले सफ़ेद होने से रोकता है। जिससे बालों के प्राकृतिक रंग को बनाए रखने में मदद मिलती है।

आवश्यक सामग्री–

2 बड़े चम्मच आंवला पाउडर

5–6 हिबिस्कस फूल (ताज़े या सूखे)

1 बड़ा चम्मच रीठा पाउडर

2 कप पानी

शैम्पू बनाने का तरीका–

2 कप पानी उबालें और उसमें आंवला पाउडर, हिबिस्कस फूल और रीठा पाउडर डालें।

इसे 20 मिनट तक उबलने दें।

मिश्रण के ठंडा होने पर इसे छान लें।

इस तरल पदार्थ को शैम्पू की तरह इस्तेमाल करें, इसे अपने स्कैल्प और बालों पर लगाएं।

आंवला और नारियल के दूध का शैम्पू

नारियल का दूध बालों को गहराई से पोषण देता है, उन्हें मुलायम बनाता है और रूखेपन को रोकता है।

आवश्यक सामग्री–

2 बड़े चम्मच आंवला पाउडर

2 बड़े चम्मच नारियल का दूध

1 बड़ा चम्मच रीठा पाउडर

1 कप पानी

शैम्पू बनाने का तरीका–

एक कटोरी में आंवला पाउडर और रीठा पाउडर मिलाएं।

1 कप पानी डालें और मिश्रण को उबाल लें।

जब यह ठंडा हो जाए, तो इसे छान लें।

अब छाने हुए तरल पदार्थ को नारियल के दूध में मिलाएं।

अब इसे बालों पर लगाएं और अच्छी तरह से मसाज करें।

अंत में, आप बालों को पानी से अच्छी तरह धो लें।

फल से ज्यादा सेब का छिलका बनाता है तंदुरुस्त, इसके इतने फायदे नहीं जानते होंगे आप

सेब के छिलके को फेंकने की बजाय, आप इसे कई तरह से इस्तेमाल कर सकते हैं क्योंकि यह सेहत के लिए बहुत फायदेमंद होता है।

सेब के छिलके में फाइबर, विटामिन, और एंटीऑक्सीडेंट्स की भरपूर मात्रा होती है, जो कई स्वास्थ्य लाभ प्रदान करते हैं। सेब के छिलके को फेंकने की बजाय इन उपायों से आप इसे स्वास्थ्य और सौंदर्य दोनों के लिए उपयोग कर सकते हैं।

सेब के छिलके के फायदे

– सेब के छिलके में घुलनशील और अघुलनशील फाइबर होते हैं, जो पाचन तंत्र को बेहतर बनाते हैं और कब्ज जैसी समस्याओं से राहत दिलाते हैं।

– सेब के छिलके में क्वेरसेटिन जैसे एंटीऑक्सीडेंट्स होते हैं, जो शरीर को फ्री रेडिकल्स से बचाते हैं और हृदय रोगों का खतरा कम करते हैं।

– सेब के छिलके में विटामिन सी, ए, और के के अलावा पोटेशियम और कैल्शियम जैसे मिनरल्स होते हैं, जो इम्यून सिस्टम को मजबूत करते हैं और हड्डियों की सेहत के लिए फायदेमंद होते हैं।

– सेब के छिलके में मौजूद फाइबर पेट को भरा हुआ महसूस कराते हैं, जिससे भूख कम लगती है और वजन नियंत्रित रहता है।

– सेब के छिलके में मौजूद पॉलीफेनोल्स कोलेस्ट्रॉल के स्तर को नियंत्रित रखते हैं, जिससे हृदय संबंधी बीमारियों का खतरा कम होता है।

सेब के छिलके का उपयोग कैसे करें

स्मूदी और शेक

सेब का छिलका स्मूदी या शेक में मिलाकर इस्तेमाल करें। इससे न केवल स्वाद बढ़ेगा, बल्कि आपको इसके पोषक तत्व भी मिलेंगे।

सलाद में शामिल करें

सेब के छिलके को छोटे–छोटे टुकड़ों में काटकर सलाद में डाल सकते हैं। इससे सलाद में एक खास क्रंच और फ्लेवर आएगा।

सेब का छिलके की चाय

सेब के छिलके को सुखाकर और गर्म पानी में डालकर इसे चाय के रूप में इस्तेमाल किया जा सकता है। इसमें आप दालचीनी और शहद भी मिला सकते हैं।

बेकिंग में उपयोग

आप सेब के छिलके को पाई, केक, या मफिन्स में मिलाकर भी इस्तेमाल कर सकते हैं। इससे आपकी बेकिंग रेसिपी में स्वाद और न्यूट्रिशन दोनों बढ़ेंगे।

फेस मास्क

सेब के छिलके को पीसकर उसमें थोड़ी सी शहद मिलाएं और इसे चेहरे पर फेस मास्क के रूप में लगाएं। इससे त्वचा में प्राकृतिक चमक आएगी।

जूस में मिलाएं

अगर आप सेब का जूस बना रहे हैं, तो उसे छिलके सहित जूसर में डालें। इससे जूस में अधिक पोषक तत्व शामिल होंगे।

स्क्रब

सेब के छिलके को पीसकर उसमें चीनी और नारियल तेल मिलाकर एक स्क्रब बना सकते हैं। इसे त्वचा पर इस्तेमाल करने से डेड स्किन सेल्स हटेंगे और त्वचा मुलायम बनेगी।

डिलीवरी के बाद लगातार झड़ रहे हैं बाल तो आजमाएं ये देसी नुस्खे

डिलीवरी के बाद महिलाओं के बाल झड़ने शुरू हो जाते है हालाँकि कुछ महिलाओं को ये समस्या ज्यादा होती है। बालों के झड़ने की समस्या को कम करने के लिए कुछ घरेलू नुस्खे अपनाए जा सकते हैं चलिए उनके बारे में ही बताते हैं।

नारियल तेल

नारियल तेल में एंटीफंगल और एंटीबैक्टीरियल गुण होते हैं। इसे हल्का गर्म करके स्कैल्प पर मसाज करें और कुछ घंटे बाद धो लें। यह बालों को पोषण देता है और जड़ों को मजबूत बनाता है।

ऐलोवेरा जेल

ऐलोवेरा जेल को सीधे स्कैल्प पर लगाएं और 30 मिनट बाद धो लें। यह बालों को हाइड्रेट करता है, जड़ों को मजबूत बनाता है, और बालों की ग्रोथ को प्रोत्साहित करता है।

आंवला और शिकाकाई

आंवला और शिकाकाई का पाउडर मिलाकर एक पेस्ट बनाएं और इसे बालों में लगाएं। यह बालों को मजबूती और चमक देता है और झड़ने को कम करता है।

दही और शहद

दही और शहद का मिश्रण बालों के लिए एक अच्छा मास्क है। इसे बालों में लगाकर 30 मिनट तक छोड़ें और फिर धो लें। यह बालों को नमी और पोषण प्रदान करता है।

अंडा और शहद

अंडे की सफेदी और शहद का मिश्रण बालों के लिए एक प्रोटीन मास्क है। इसे बालों में लगाएं और 30 मिनट बाद धो लें। यह बालों को मजबूती प्रदान करता है और टूटने की समस्या को कम करता है।

प्याज का रस

प्याज का रस बालों की जड़ों में लगाएं और 20–30 मिनट बाद धो लें। प्याज में सल्फर होता है जो बालों की ग्रोथ को प्रोत्साहित करता है और झड़ने को कम करता है।

हल्दी और दूध

हल्दी पाउडर को दूध के साथ मिलाकर एक पेस्ट बनाएं और इसे बालों में लगाएं। यह बालों को मजबूत बनाता है और स्कैल्प के संक्रमण को कम करता है।

स्टीमिंग

बालों पर गर्म भाप देने से खोपड़ी की रक्त संचार में सुधार होता है और बालों की जड़ों को पोषण मिलता है। आप एक तौलिए को गर्म पानी में भिगोकर बालों पर रखेंऔर कुछ मिनट के लिए छोड़ दें। इन घरेलू नुस्खों को नियमित रूप से अपनाने से बालों के झड़ने की समस्या को कम किया जा सकता है और बालों की सेहत को सुधारने में मदद मिल सकती है।अगर फिर भी फर्क ना दिखे तो एक बार एक्स्पर्ट की सलाह जरुर लें।

सावन में घर पर बनाएं टेस्टी एंड क्रिस्पी अनरसे की गोली, नोट करें बनाने का तरीका

सावन का पवित्र और शुभ महीना चल रहा है। इस माह में भगवान शिव के भक्त पूजा और व्रत रखते हैं। सावन के महीने मे कई त्योहार आते हैं, जिनमें कई मिठाईयां बनाई जाती है। ऐसी ही एक मिठाई जिसे सावन में बनाया जाता है। अनरसे सावन के महीने की सबसे खास मिठाई है। वैसे तो इसे चपटे आकार मे भी बनाया जाता है लेकिन ये छोटी–छोटी गोलियां काफी अच्छे लगते है। अनरसे की गोलियां बाहर से एकदम क्रिस्पी और अंदर से काफी मुलायम होने की वजह से काफी स्वादिष्ट होती है। अनरेस की यह डिश फूड ब्लॉगर अम्मा की थाली ने शेयर की है। आइए जानते हैं इसकी रेसिपी।

सामग्री

–चावल – 2 कप

–चीनी पाउडर – 1/2 कप

– सफेद तिल – 2 बड़े चम्मच

–दूध – 1/2 कप (आटा लगाने के लिए)

अनरसे की गोली बनाने का तरीका

– इसे बनाने के लिए आप सबसे पहले चावल को 6 से 7 घंटे या फिर रात भर के लिए पानी में भिगो कर रखें।

– चावल फूलने के बाद इसे दो से तीन बार बदलकर अच्छे से धो लीजिए।

– फिर चावल को पानी से साफ करने के बाद अंब पंखे के नीचे एक कपड़ा को बिछाकर इस पर चावल को डालकर फैलाएं और फिर चावल में लगे पानी को पंखे की हवा में 10 से 15 मिनट तक सूखने दें।

– फिर आप चावल को मिक्सर जार में पीस लें और इसका आटा बना लीजिए।

– अब बड़े बर्तन में चावल का आटा, चीनी पाउडर और इसमें थोड़ा–थोड़ा दूध डालकर सारे चीजों को अच्छे से मिलाते हुए गीला आटा लगाकर तैयार कर लीजिए।

– आटा लगाने के बाद अब इसे 1 दिन के लिए ढककर एक किनारे रख दें जिससे आटा अच्छे सेट हो जाएगा।

– एक दिन के बाद जब आटा फुल कर टाइट हो जाए फिर इसे अच्छे से मसलकर अनरसे के लिए इसका छोटे–छोटे लोईयां बना लें।

– इसके बाद लोई को चिकना गोली बनाकर इसे सफेद तिल में अच्छे से लपेंटे लें। इसी तरीके से सभी लोई का अनरसे बनाकर तैयार कर लीजिए।

– फिर आप फ्राई करने के लिए कड़ाही में तेल डालकर मीडियम गैस पर गर्म करें।

– जब तेल गर्म हो जाए इसमें अनरसे को डालकर मध्यम आंच पर इसे बराबर चलाते हुए ऊपर से अच्छे से सुनहरे रंग में होने तक फ्राई कर लीजिए।

– अनरसे को फ्राई करने के बाद इसे ठंडा होने के लिए रख दें और फिर इसके बाद किसी डिब्बे या जार में स्टोर करके महीने भर तक जब आपको खाने का मन हो तो इसका आनंद लें।

संक्षिप्त

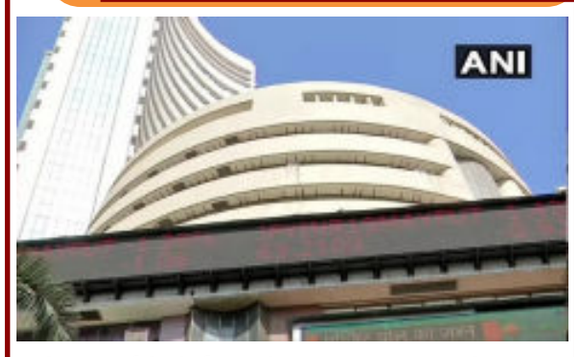

हिंडनबर्ग रिपोर्ट का शेयर बाजार पर नहीं हुआ असर, सेंसेक्स में उछाल, निफ्टी 24,400 से ऊपर

एक बार फिर से हिंडनबर्ग की रिपोर्ट आ चुकी है। इस रिपोर्ट के आने के बाद इस बार अडानी के बाद सेबी चीफ मधबी पुरी बुच को लेकर कई तरह के खुलासे किए गए है। इन खुलासों के बाद पहली बार सोमवार को शेयर बाजार खुला है। शेयर बाजार में सेंसेक्स 200 अंक या 0.24 प्रतिशत बढ़कर 79,900.98 पर पहुंच गया, जबकि निफ्टी 48.40 अंक या 0.20 प्रतिशत बढ़कर 24,415.90 पर पहुंच गया। करीब 1715 शेयरों में तेजी, 1737 शेयरों में गिरावट और 106 शेयरों में कोई बदलाव नहीं हुआ। जेएसडब्ल्यू स्टील, हीरो मोटोकॉर्प, इंफोसिस, एक्सिस बैंक और एचडीएफसी बैंक निफ्टी पर शीर्ष लाभार्थियों में शामिल हैं, जबकि अपोलो हॉस्पिटल्स, अदानी पोर्ट्स, अदानी एंटरप्राइजेज, एनटीपीसी और पावर ग्रिड कॉर्प में गिरावट आई है। सेक्टरों में आईटी, मेटल और रियल्टी में 0.5–0.5 फीसदी की तेजी रही, जबकि पावर, मीडिया, पीएसयू बैंक में 0.5–1 फीसदी की गिरावट रही।

अडानी के शेयरों में गिरावट

शुरुआती कारोबार में अडानी समूह के सभी दस शेयरों में गिरावट आई, जिसमें बीएसई पर अडानी एनर्जी में 17 प्रतिशत, अडानी एनर्जी सॉल्यूशंस में 17 प्रतिशत, अडानी टोटल गैस में 13.39 प्रतिशत और अडानी पावर में 10.94 प्रतिशत की गिरावट आई। अडानी ग्रीन एनर्जी के शेयरों में 6.96 प्रतिशत, अडानी विल्मर में 6.49 प्रतिशत, अडानी एंटरप्राइजेज में 5.43 प्रतिशत, अडानी पोर्ट्स में 4.95 प्रतिशत, अंबुजा सीमेंट्स में 2.53 प्रतिशत तथा एसीसी में 2.42 प्रतिशत की गिरावट आई।

हिंडनबर्ग के दावों में है सच्चाई, सेबी चीफ ने किया कबूल, जानें क्या क्या लगे है आरोप

अमेरिकी शॉर्ट सेलर फर्म हिंडनबर्ग ने शनिवार को ही अपनी रिपोर्ट जारी की है, जिससे देश में फिर भूचाल मैच गया है। पिछले साल अडानी पर कई आरोप लगाने वाली रिपोर्ट ने इस बार सेबी चीफ पर कई संगीन आरोप लगाए है। मार्केट रेग्युलेटर सेबी चीफ मधबी पुरी बुच को लेकर रिपोर्ट आई है। हिंडेनबर्ग के इस आरोप पर सेबी चीफ ने भी जवाब दिया है। बुच ने।जो जवाब दिया है उससे साफ है कि वो लगाए गए आरोपों को कुछ हद तक स्वीकार रही है। बरमूडा में निवेश की पुष्टि भी की गई है। रिपोर्ट आने के बाद सेबी ने बयान दिया

था कि फाइनेंशियल डॉक्यूमेंट से हमें कोई परेशानी नहीं है। सेबी ने अपनी पहली टिप्पणी में रविवार को कहा कि उसने अदाणी समूह के खिलाफ सभी आरोपों की विधिवत जांच की है। भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने बयान में कहा कि उसकी चेयरपर्सन माधवी पुरी बुच ने समय–समय पर संबंधित जानकारी दी और संभावित हितों के टकराव से जुड़े मामलों से खुद को अलग रखा। नियामक ने कहा कि उसने अदाणी के खिलाफ हिंडनबर्ग द्वारा लगाए गए आरोपों की विधिवत जांच की है। उसकी 26 पहलुओं में से सिर्फ एक पहलू की जांच बची है और वह भी पूरी होने वाली है। नियामक ने कहा कि उसने अपनी जांच के तहत जानकारी मांगने के लिए 100 से अधिक समन, करीब 1,100 पत्र और ईमेल जारी किए हैं। करीब 12,000 पन्नों वाले 300 से अधिक दस्तावेजों की जांच की गई है।

अडानी समूह के शेयरों में 7प्रतिशत की गिरावट, देखने को मिला बड़ा असर

अमेरिकी शॉर्ट–सेलर हिंडनबर्ग की रिपोर्ट में इस बार सेबी चीफ मधबी बुच को लेकर कई खुलासे किए है। रिपोर्ट में दावा किया कि सेबी प्रमुख माधबी पुरी बुच और उनके पति धवल बुच की बरमूडा और मॉरीशस स्थित ऑफशोर फंडों में हिस्सेदारी है, जिसके बाद अडानी समूह के शेयरों में 7: तक की गिरावट आई। अदाणी समूह की सूचीबद्ध सभी 10 कंपनियों के शेयर में सोमवार को शुरुआती कारोबार में गिरावट दर्ज की गई। अदाणी एनर्जी के शेयर में सबसे अधिक 17 प्रतिशत की गिरावट आई। अमेरिकी शोध एवं निवेश कंपनी हिंडनबर्ग रिसर्च की रिपोर्ट के बाद अदाणी समूह के शेयरों में गिरावट आई। बीएसई सेंसेक्स पर सूचीबद्ध अदाणी एनर्जी सॉल्यूशंस में 17 प्रतिशत, अदाणी टोटल गैस में 13.39 प्रतिशत, एनडीटीवी में 11 प्रतिशत और अदाणी पावर में 10.94 प्रतिशत की गिरावट आई। अदाणी ग्रीन एनर्जी के शेयरों में 6.96 प्रतिशत, अदाणी विल्मर में 6.49 प्रतिशत, अदाणी एंटरप्राइजेज में 5.43 प्रतिशत, अदाणी पोर्ट्स में 4.95 प्रतिशत, अंबुजा सीमेंट्स में 2.53 प्रतिशत और एसीसी में 2.42 प्रतिशत की गिरावट आई। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि इन निधियों का उपयोग गौतम अडानी के भाई विनोद अडानी ने अडानी समूह में महत्वपूर्ण शेयरों को खरीदने और उनका व्यापार करने के लिए किया था। वहीं हिंडनबर्ग द्वारा लगाए गए आरोपों पर सेबी प्रमुख ने कहा कि हिंडेनबर्ग द्वारा संदर्भित फंड में निवेश 2015 में किया गया था, जब वह और उनके पति सिंगापुर में निजी नागरिक के रूप में रह रहे थे, लगभग दो साल पहले वह सेबी में पूर्णकालिक सदस्य के रूप में शामिल हुई थीं। उन्होंने कहा, ष्इस फंड में निवेश करने का निर्णय इसलिए लिया गया क्योंकि मुख्य निवेश अधिकारी अनिल आहूजा, धवल के बचपन के दोस्त हैं, जो स्कूल और आईआईटी दिल्ली से हैं और सिटीबैंक, जेपी मॉर्गन और 3आई ग्रुप पीएलसी के पूर्व कर्मचारी होने के नाते, कई दशकों का मजबूत निवेश करियर रहा है।

दलीप ट्रॉफी पहले दौर का मैच बेंगलुरू में, अश्विन और बुमराह को छोड़कर सभी सितारे खेलेंगे

जसप्रीत बुमराह और सीनियर स्पिनर रविचंद्रन अश्विन को छोड़कर भारत के कुछ नियमित स्टार दलीप ट्रॉफी के पहले दौर में खेलेंगे जिसे बीसीसीआई ने अनंतपुर की जगह बेंगलुरू में कराने का फैसला किया है। सीनियर बल्लेबाज विराट कोहली और रोहित शर्मा को छूट दी जा सकती है। टूर्नामेंट में भाग लेने का फैसला पूरी तरह से उन पर छोड़ा जायेगा।

तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह और सीनियर स्पिनर रविचंद्रन अश्विन को छोड़कर भारत के कुछ नियमित स्टार दलीप ट्रॉफी के पहले दौर में खेलेंगे जिसे बीसीसीआई ने अनंतपुर की जगह बेंगलुरू में कराने का फैसला किया है। सीनियर बल्लेबाज विराट कोहली और रोहित शर्मा को छूट दी जा सकती है। टूर्नामेंट में भाग लेने का फैसला पूरी तरह से उन पर छोड़ा जायेगा। दलीप ट्रॉफी के पहले दौर के दो सेट के मैच आंध्रप्रदेश के अनंतपुर में पांच सितंबर से होने थे लेकिन अब उनमें से एक को एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में कराया जायेगा ताकि लॉजिस्टिक की समस्या नहीं आये। अनंतपुर बेंगलुरू से 230 किलोमीटर दूर है और हवाई मार्ग से जुड़ा हुआ भी नहीं है। एक सूत्र ने बताया ,'' कुछ शीर्ष खिलाड़ियों की सुविधा के लिये यह फैसला लिया गया है ताकि उन्हें बांग्लादेश के खिलाफ टेस्ट श्रृंखला से पहले लाल गेंद के क्रिकेट का अनुभव हो जाये।'' भारत को बांग्लादेश के खिलाफ दो टेस्ट 19 सितंबर से चेन्नई में और 27 सितंबर से कानपुर में खेलने हैं। रोहित और विराट खेलने पर फैसला खुद लेंगे लेकिन रविंदर जडेजा, अक्षर पटेल, केएल राहुल, शुभमन गिल, श्रेयस अय्यर, कुलदीप यादव के इसमें खेलने की उम्मीद है। बुमराह और अश्विन बांग्लादेश के खिलाफ श्रृंखला से पहले सीधे टीम से जुड़ेंगे। चयनकर्ता ऋषभ पंत को भी दलीप ट्रॉफी में खेलते देखना चाहते हैं। अगर ऐसा होता है कि दिसंबर 2022 की कार दुर्घटना के बाद यह उनका पहला लाल गेंद का टूर्नामेंट होगा। सर्जरी के बाद स्वास्थ्य लाभ ले रहे मोहम्मद शमी इसमें नहीं खेलेंगे।

भारत दौरे पर आने वाली न्यूजीलैंड टीम का ऐलान, 9 सितंबर से टेस्ट अफगानिस्तान से टकराएगी

अफगानिस्तान के खिलाफ 9 से 13 सितंबर के बीच खेले जाने वाले टेस्ट मैच के लिए न्यूजीलैंड ने अपनी 15 सदस्यीय टीम की घोषणा सोमवार को की। अफगानिस्तान टीम भारत में न्यूजीलैंड की मेजबानी करेगा। इस एक मात्र टेस्ट मैच के लिए नोएड के स्टेडियम को तैयार किया जा चुका है।

न्यूजीलैंड और अफगानिस्तान टीम के बीच 9–13 सितंबर तक टेस्ट सीरीज खेली जाएगी। इस सीरीज के लिए न्यूजीलैंड टीम को भारत का दौरान करना है, जिसके लिए टीम का ऐलान हो चुका है। टिम साउदी की कप्तानी में 15 सदस्यीय कीवी टीम अफगान टीम के खिलाफ खेलेगी। इस टीम में 18 महीने बाद माइकल ब्रेसवेल की वापसी हो रही है। न्यूजीलैंड ने अफगानिस्तान के खिलाफ 9 से 13 सितंबर के बीच खेले जाने वाले टेस्ट मैच के लिए अपनी 15 सदस्यीय टीम की घोषणा सोमवार को की। अफगानिस्तान टीम भारत में न्यूजीलैंड की मेजबानी करेगा। इस एक मात्र टेस्ट मैच के लिए नोएड के स्टेडियम को तैयार किया जा चुका है। अफगानिस्तान के खिलाफ टेस्ट खेलने के बाद न्यूजीलैंड की टीम श्रीलंका का दौरा करेगी। यहां उसे वर्ल्ड टेस्ट चौंपियनशिप के तहत दो टेस्ट मैच खेलना है। वहीं इस टेस्ट टीम में 18 महीने बाद माइकल ब्रेसवेल की वापसी हुई है। अफगानिस्तान के खिलाफ भारत में खेले जाने वाले मुकाबले में मिचेल सेंटनर, एजाज पेटल और रचिन रविंद्र के साथ ऑफ स्पिनर ब्रेसवेल को शामिल किया गया है। कीवी कप्तान टिम साउदी के पास ग्लेन फिलिप्स के रूप में पांचवां स्पिन विकल्प भी होगा।

आईपीएल 2025: ऋषभ पंत दिल्ली के लिए खेलेंगे या चेन्नई के लिए? सौरव गांगुली ने कर दिया साफ

आईपीएल 2025 के शुरू होने में अभी काफी वक्त है और इस सीजन के लिए मेगा नीलामी होगी। नीलामी के बाद कई टीमें बदली–बदली सी नजर आने वाली है। यही हाल दिल्ली कैपिटल्स का भी होगा, लेकिन इन सारी बातों से पहले कई मीडिया रिपोर्ट्स में तो यहां तक कहा गया कि ऐसी संभावना है कि ऋषभ पंत दिल्ली कैपिटल्स से अलग हो सकते हैं और चेन्नई सुपर किंग्स के साथ जुड़े सकते हैं। लेकिन अब सौरव गांगुली ने पंत को लेकर सारी बातें साफ कर दी हैं। दरअसल, सौरव गांगुली ने वन इंडिया बंगाली को इंटरव्यू देते हुए ऋषभ पंत के भविष्य के बारे में बात की और साफ तौर पर कहा कि वो दिल्ली कैपिटल्स के लिए खेलते रहेंगे। पंत ने भयानक कार दुर्घटना के बाद लगभग एक साल तक मैदान से दूर रहने के बाद, आईपीएल 2024 में वापसी की थी और टीम की कप्तानी भी की थी। इसके बाद वो टी20 वर्ल्ड कप 2024 में भी खेलते हुए नजर आए थे। पंत इस टीम के कप्तान साल 2021 में बने थे, लेकिन आईपीएल के इस सीजन 2024 में वो अपनी टीम को प्लेऑफ तक नहीं पहुंचा पाए थे।

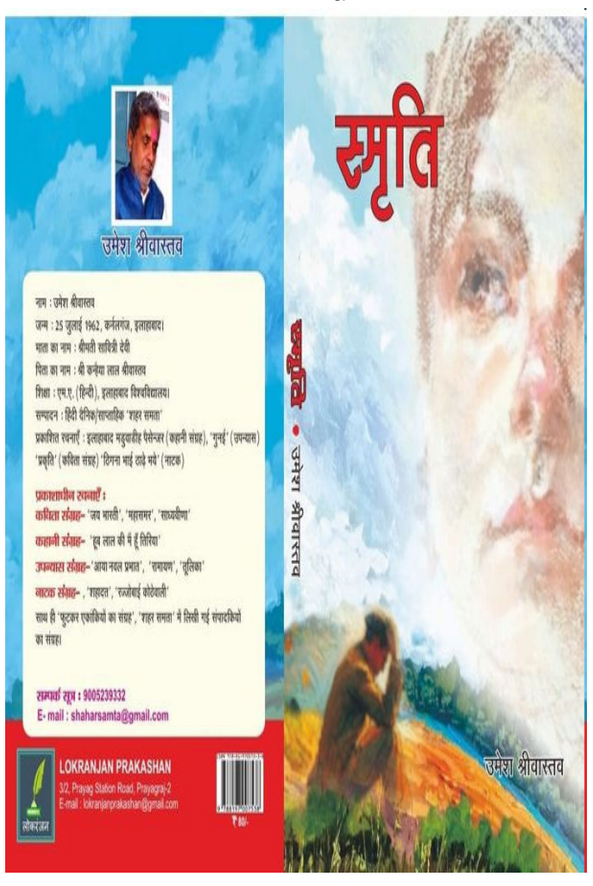

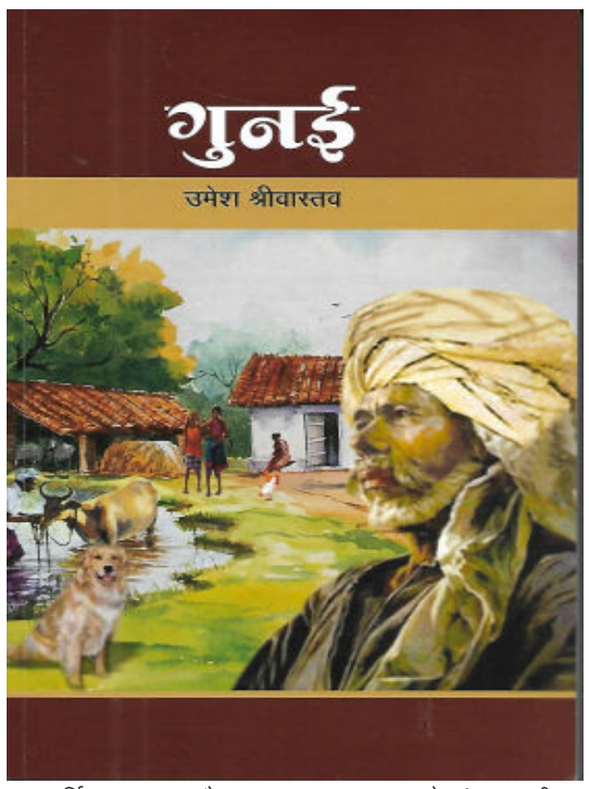

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित उपन्यास गुनई अमेजन पर उपलब्ध हो गया है। पुस्तक

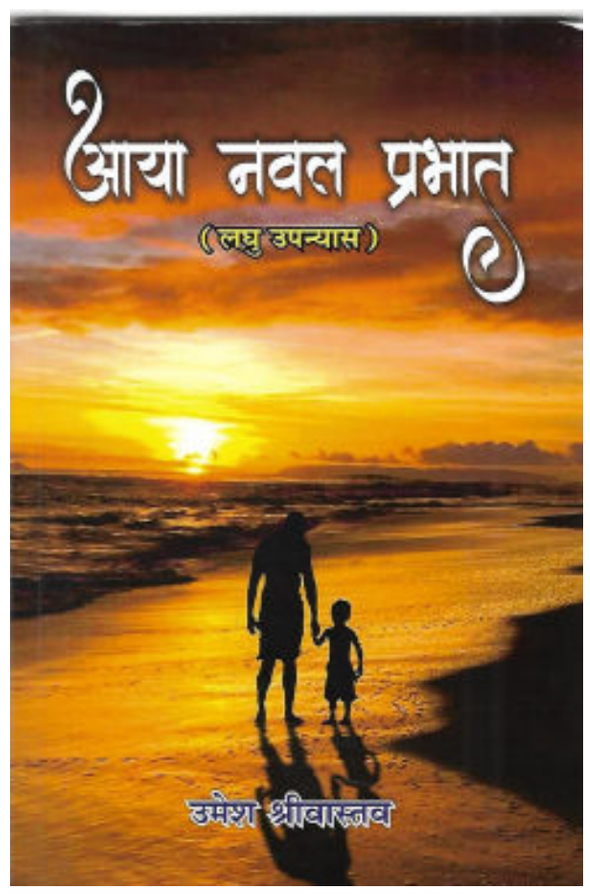

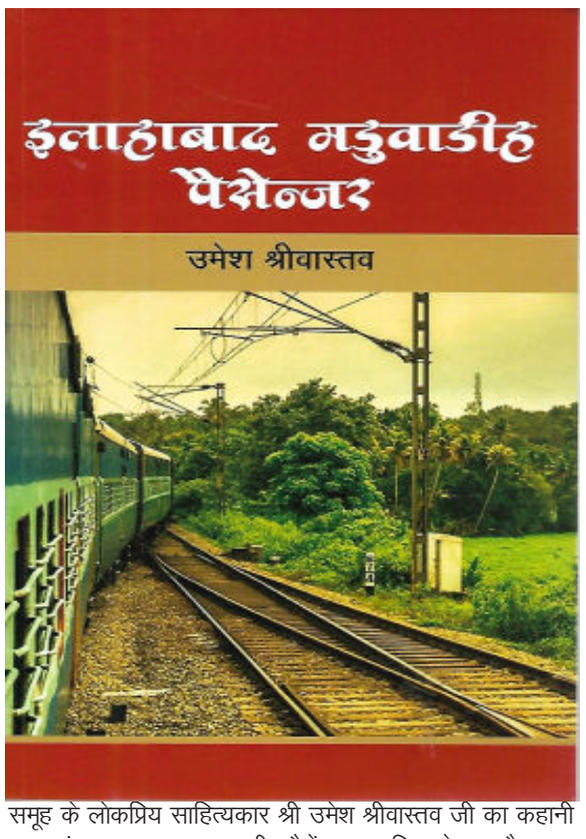

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना। पुस्तक अमेजन पर उपलब्ध है।

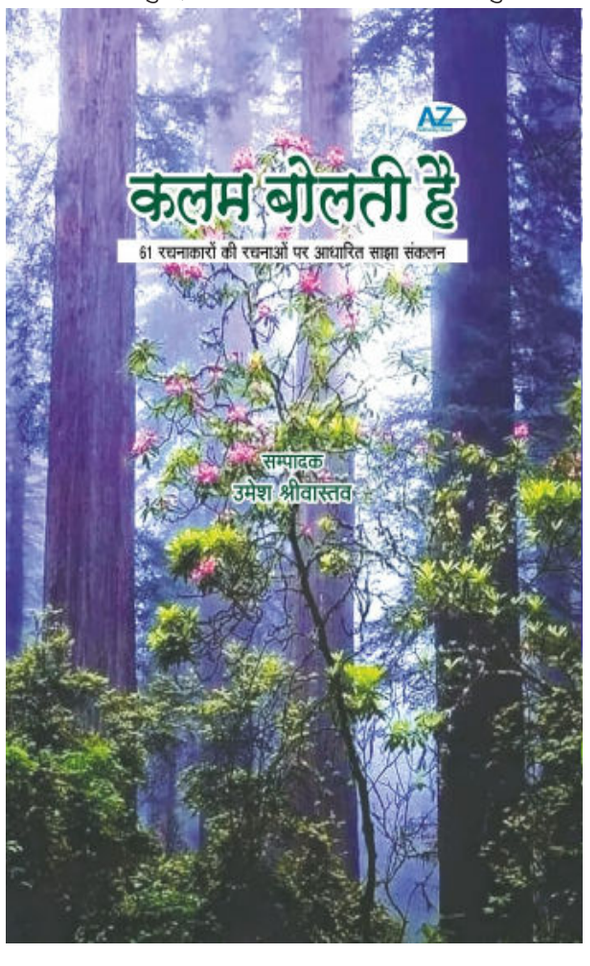

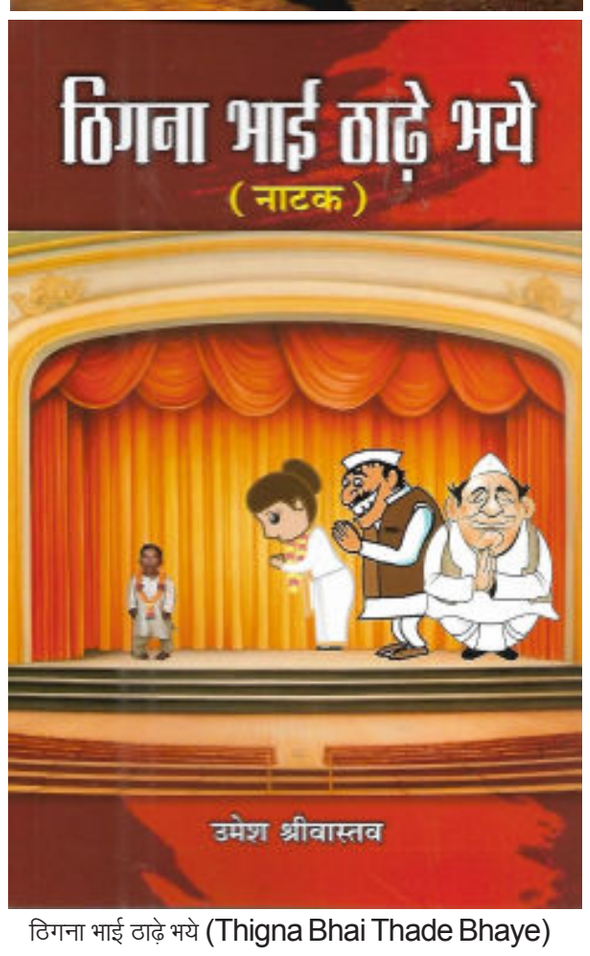

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

संक्षिप्त

बांग्लादेश भाग रहे रोहिंग्या मुसलमानों को किसने तोप से उड़वा दिया, 200 की हुई मौत

म्यामांर से एक बार फिर रोहिंग्याओं को लेकर एक दर्दनाक खबर सामने आई हैं। देश छोड़कर बांग्लादेश भाग रहे रोहिंग्याओं पर ड्रोन और तोप के जरिए हमला किया गया है। म्यांमार के मुस्लिम रोहिंग्या अल्पसंख्यक समुदाय के करीब 200 नागरिक पश्चिमी राज्य रखाइन में एक तोपखाने और ड्रोन हमले में मारे गए है। देश छोड़ने की कोशिश कर रहे रोहिंग्याओं के ऊपर तोपो और ड्रोन से हमला किया गया है। लोगो ने अराकान आर्मी पर हमले का आरोप लगाया। वही, अराकान आर्मी ने रोहिग्या पर हमले में शामिल होने से इनकार किया। यह हमला तब हुआ जब कुछ रोहिंग्या मुसलमान बांग्लादेश सीमा

के करीब एक नदी के पास नाव का इंतजार कर रहे थे। यह हमला पश्चिमी म्यांमार के रखाइन राज्य में बांग्लादेश की सीमा के पास हुआ। बचने के लिए लोग सीधे नदी में कूद गये। वे नफ़ नदी पार करके बांग्लादेश में माउंगडॉ शहर में चल रही भीषण लड़ाई से भागने की कोशिश कर रहे थे। अंतरराष्ट्रीय चिकित्सा सहायता समूह डॉक्टर्स विदाउट बॉर्डर्स ने शुक्रवार, 9 अगस्त को एक बयान जारी कर कहा कि वे रोहिंग्या मुसलमानों पर हुए हमलों से घायलों का इलाज कर रहे हैं और घायलों की संख्या में वृद्धि जारी है। घायल वे लोग हैं जो बांग्लादेश में सीमा पार करने में कामयाब रहे। अराकान सेना ने नवंबर 2023 में अपना राखीन आक्रमण शुरू किया और पड़ोसी चिन राज्य में से एक सहित 17 टाउनशिप में से नौ पर नियंत्रण कर लिया है। जून से, अराकान सेना सीमावर्ती शहर माउंगडॉ पर कब्ज़ा करने का प्रयास कर रही है।

पाकिस्तान के भाला फेंक खिलाड़ी नदीम के ससुर उन्हें भैंस उपहार में देंगे

पाकिस्तान भले ही अपने भाला फेंक ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता अरशद नदीम को नकद पुरस्कारों और अन्य बहुमूल्य पुरस्कारों से नवाज रहा हो, लेकिन उनके ससुर ने ग्रामीण परवरिश और परंपरा के साथ मेल खाते हुए उन्हें भैंस उपहार में देने का फैसला किया है। मोहम्मद नवाज ने रविवार को नदीम के गांव में स्थानीय मीडिया को बताया कि उनके गांव में भैंस उपहार में देना 'बहुत मूल्यवान' और 'सम्मानजनक'

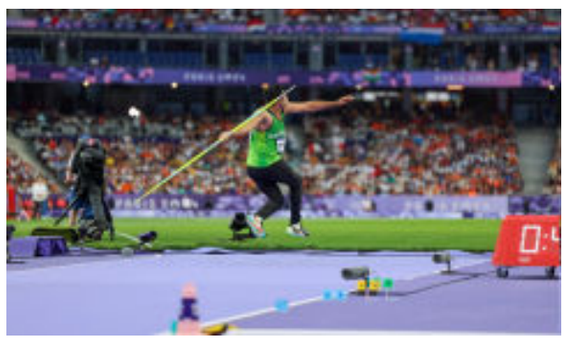

माना जाता है। नदीम ने पेरिस में भाला फेंक स्पर्धा में 92.97 मीटर के ओलंपिक रिकॉर्ड के साथ स्वर्ण पदक जीता जिसमें भारत के नीरज चोपड़ा दूसरे स्थान पर रहे। नवाज ने कहा, "नदीम को अपनी जड़ों पर बहुत गर्व है और सफलता के बावजूद, उनका घर अब भी उनका गांव है और वह अब भी अपने माता–पिता और भाइयों के साथ रहते हैं।" उनके ससुर ने बताया कि उनके चार बेटे और तीन बेटियां हैं और उनकी सबसे छोटी बेटी आयशा की शादी नदीम से हुई है। नवाज ने कहा, "जब हमने छह साल पहले अपनी बेटी की शादी नदीम से करने का फैसला किया तो उस समय वह छोटी मोटी नौकरियां करता था। लेकिन अपने खेल के प्रति बेहद जुनूनी था और घर व खेतों में लगातार भाला फेंकने का अभ्यास करता था।

अमेरिकाः लोकप्रियता के मामले में प्रमुख प्रांतों में हैरिस ने बढ़त हासिल की

अमेरिका की उपराष्ट्रपति एवं राष्ट्रपति पद के चुनाव में डेमोक्रेटिक पार्टी की उम्मीदवार कमला हैरिस ने कई प्रमुख चुनावी प्रांतों में लोकप्रियता में बढ़त हासिल कर ली है।

पाकिस्तान अब अपनाने वाला है शुद्ध शाकाहार ? कराची में लोगों की पहली पसंद बना ढोकला और वड़ा पाव

भारतीय खाने की बात जब आती है तो पूरी दुनिया इसकी दीवानी हो जाती है। इसके लजीज टेस्ट का जलवा देश–दुनिया में है। फिर भला हमारा पड़ोसी मुल्क इससे अछूता कैसे रह जाता। बदलते वक्त के साथ पाकिस्तान के लोगों का जायका भी बदलने लगा है। वहां के लोगों को भारतीय शाकाहारी खाना खूब भाने लगा है। पाकिस्तान का हलचल भरा औद्योगिक और वित्तीय केंद्र कराची खाने के शौकीन लोगों के लिए पसंदीदा फूड कैपिटल भी बन गया है। नवीनतम चलन में प्रामाणिक और परिष्कृत भारतीय शाकाहारी व्यंजनों जैसे सोयाबीन आलू बिरयानी, आलू टिक्की, वड़ा पाव, मसाला डोसा' और ढोकला के प्रति लोगों की रुचि काफी बढ़ रही है। फूड लवर्स चाव से श्सोयाबीन आलू बिरयानी, कुरकुरी आलू टिक्की, तीखा वड़ा पाव, नमकीन श्मसाला डोसाश और श्ढोकलाश के नरम, स्पंजी स्वाद जैसे स्वादों का आनंद ले रहे हैं।

शुद्ध शाकाहारी खाने की बढ़ी डिमांड

सिंध प्रांत की राजधानी कराची के लाखों लोगों के लिए इसकी खूबसूरती यहां उपलब्ध भोजन के विकल्पों में है, जिसमें सबसे महंगे यूरोपीय और इतालवी व्यंजनों से लेकर किफायती चीनी भोजन या साधारण बन कबाब तक शामिल हैं, क्योंकि यह 'खाद्य राजधानी' हर किसी के स्वाद और जेब को ध्यान में रखती है। हाल के महीनों में खाने के शौकीन लोगों में 'शुद्ध शाकाहारी' व्यंजनों के प्रति रुचि विकसित हुई है। कराची में एम ए जिन्ना रोड के ऐतिहासिक पुराने परिसर में स्थित महाराज करमचंद वेजिटेरियन फूड्स इन रेस्तरां के मालिक महेश कुमार का कहना है कि उनका व्यवसाय फल–फूल रहा है, क्योंकि लोगों

में शाकाहारी व्यंजनों के प्रति रुचि पैदा हो रही है, जिन्हें कराची में शुद्ध शाकाहारी भारतीय व्यंजन के रूप में जाना जाता है। शहर का नारायण परिसर इलाका, जहां विभाजन से पहले हिंदू, सिख और ईसाई शांति और सद्भाव से रहते थे, वहां न केवल रेस्तरां है, बल्कि सदियों पुराना स्वामीनारायण मंदिर और एक गुरुद्वारा भी है। शुरुआत में परिसर के लोगों के लिए बनाया गया महाराज करमचंद रेस्तरां अब इन वकीलों और आगंतुकों के लिए एक लोकप्रिय स्थान है, जो परिसर के ठीक सामने स्थित शहर की अदालतों में या पुराने कराची के इस व्यावसायिक रूप से जीवंत क्षेत्र में अन्य व्यवसायों के लिए हर दिन आते हैं।

सोयाबीन आलू बिरयानी और आलू टिक्की का जायका आ रहा पसंद

महेश कुमार ने कहा कि हमारी सोयाबीन आलू बिरयानी, आलू टिक्की, पनीर कढ़ाई और मिश्रित सब्जियां प्रसिद्ध हैं तथा दोपहर के भोजन के दौरान हमारे यहां बड़ी संख्या में लोग आते हैं और साथ ही बहुत सारे 'टेकअवे' और 'डिलीवरी' भी होती हैं।" उन्होंने कहा कि उनके पिता ने 1960 में यह रेस्तरां शुरू किया था और इसमें वही पुरानी लकड़ी की कुर्सियां घ्और मेजें हैं, लेकिन जो चीज मुस्लिम और गैर–मुस्लिम ग्राहकों को आकर्षित करती है, वह है यहां के व्यंजन तैयार करने में इस्तेमाल किए जाने वाले घर के बने मसालों के अलावा ताजी सब्जियां और तेल। महेश मानते हैं कि वह अपने रेस्तरां का प्रचार नहीं करते, क्योंकि अभी भी कुछ मुस्लिम रूढ़िवादी लोग हैं जो मुसलमानों के लिए हिंदुओं द्वारा तैयार भोजन खाना वर्जित मानते हैं।

बांग्लादेश में प्रदर्शनकारियों को सरकार का अल्टीमेटम, एक सप्ताह के अंदर अगर...

बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के गृह मामलों के सलाहकार ब्रिगेडियर जनरल (सेवानिवृत्त) एम सखावत हुसैन ने सोमवार को प्रदर्शनकारियों से हाल की हिंसा के दौरान कानून लागू करने वालों से लूटी गई राइफलों सहित सभी अवैध और अनधिकृत आग्नेयास्त्रों को 19 अगस्त तक आत्मसमर्पण करने को कहा है। द डेली स्टार अखबार की रिपोर्ट के अनुसार, हुसैन ने कहा कि अगर वे हथियार नजदीकी पुलिस स्टेशनों को वापस नहीं किए गए, तो अधिकारी तलाशी लेंगे और अगर किसी के पास अनधिकृत हथियार पाए गए, तो उनके खिलाफ आरोप दर्ज किए जाएंगे। हुसैन अर्धसैनिक बल बांग्लादेश अंसार सदस्यों से मिलने के बाद संयुक्त सैन्य अस्पताल में पत्रकारों से बात कर रहे थे, जो बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन के दौरान घायल हो गए थे, जिसके कारण प्रधान मंत्री शेख हसीना को सत्ता से बाहर होना पड़ा था। नौकरियों में विवादास्पद कोटा प्रणाली

को लेकर अपनी सरकार के खिलाफ घातक विरोध प्रदर्शन के बाद हसीना ने पिछले हफ्ते इस्तीफा दे दिया और देश को उथल–पुथल में छोड़कर भारत भाग गईं। हुसैन ने कहा कि विरोध प्रदर्शन के दौरान छात्रों सहित लगभग 500 लोग मारे गए और कई हजार अन्य घायल हो गए। उन्होंने कहा कि वीडियो में एक युवक को 7.62 मिमी राइफल लेते हुए देखा गया था। इसका मतलब है कि राइफल वापस नहीं की गई। यदि आपने (डर के कारण) हथियार नहीं सौंपे, तो किसी और के माध्यम से हथियार सौंप दें।ष् हुसैन ने कहा कि वे सादे कपड़ों में उन युवाओं की पहचान करने के लिए जांच करेंगे जिन्होंने अंसार सदस्यों पर गोलियां चलाईं। हालाँकि, उन्होंने झूठी या भ्रामक खबरें प्रकाशित या प्रसारित करने पर मीडिया आउटलेट्स को बंद करने के बारे में कल की टिप्पणियों को नरम कर दिया। उन्होंने कहा कि मैंने यह गुस्से में कहा था। यह मेरा काम नहीं है।ष् ष्मैं कभी भी किसी मीडिया को बंद करने का समर्थन नहीं करता। पिछले गुरुवार को नोबेल पुरस्कार विजेता मुहम्मद यूनुस ने हसीना की जगह अंतरिम सरकार के प्रमुख के रूप में शपथ ली। राज्य के मामलों को चलाने में यूनुस की सहायता के लिए सलाहकारों की 16 सदस्यीय परिषद की घोषणा की गई।

बांग्लादेश में फिर एक्शन में आएगी पुलिस, नई सरकार ने मांग ली सारी मांगें

अंतरिम सरकार द्वारा उनकी अधिकांश मांगों को पूरा करने का आश्वासन दिए जाने के बाद बांग्लादेश में प्रदर्शनकारी पुलिस अधिकारी अपनी हड़ताल वापस लेने पर सहमत हो गए हैं। नौकरियों में विवादास्पद कोटा प्रणाली को लेकर शेख हसीना की सरकार के खिलाफ व्यापक विरोध प्रदर्शन के दौरान पुलिस और छात्रों के बीच देश भर में झड़पों के बाद, बांग्लादेश पुलिस अधीनस्थ कर्मचारी संघ (बीपीएसईए) ने 6 अगस्त को हड़ताल की घोषणा की। झड़पों के कारण हसीना की अवामी लीग के नेतृत्व वाली सरकार गिर गई और उन्हें भारत भागने के लिए मजबूर होना पड़ा। सरकार गिरने के बाद कई पुलिसकर्मी डर के मारे काम पर नहीं लौटे और जो लौटे वे सादे कपड़ों में अपने पुलिस स्टेशनों पर गए। ढाका ट्रिब्यून अखबार की रिपोर्ट के अनुसार, रविवार को अंतरिम गृह मामलों के सलाहकार ब्रिगेडियर जनरल (सेवानिवृत्त) एम सखावत हुसैन के साथ बैठक के बाद हड़ताल के प्रतिनिधियों ने हड़ताल वापस लेने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि पुलिस को आश्वासन दिया गया है कि उनकी 11–सूत्रीय सूची में से अधिकांश मांगें पूरी की जाएंगी।

इजराइल ईरान संघर्ष के बीच अमेरिका ने उठा लिया बड़ा कदम, मिडिल ईस्ट में भेजा परमाणु पनडुब्बी और जंगी जहाजों का जखीरा

अमेरिकी रक्षा सचिव लॉयड ऑस्टिन ने मध्य पूर्व के लिए एक निर्देशित मिसाइल पनडुब्बी का आदेश दिया है। रक्षा विभाग के अनुसार, ऑस्टिन ने यूएसएस अब्राहम लिंकन विमान वाहक हड़ताल समूह को क्षेत्र में और तेजी से जाने के लिए कहा। यह कदम तब उठाया गया है जब अमेरिका और अन्य सहयोगी इस्राइल और हमास के बीच संघर्ष विराम समझौते पर जोर दे रहे हैं जिससे तेहरान में हमास के राजनीतिक नेता इस्माइल हनियेह और बेरूत में एक वरिष्ठ हिजबुल्लाह कमांडर की हत्या के बाद क्षेत्र में बढ़ते तनाव को शांत करने में मदद मिल सकती है। अधिकारी हत्याओं के लिए ईरान और हिजबुल्लाह दोनों द्वारा जवाबी हमले की तलाश में हैं, और अमेरिका इस क्षेत्र में अपनी

उपस्थिति बढ़ा रहा है। पेंटागन के प्रेस सचिव मेजर जनरल पैट राइडर ने एक बयान में कहा कि ऑस्टिन ने दिन में पहले इजरायली रक्षा मंत्री योव गैलेंट से बात की और इजरायल की रक्षा के लिए हर संभव कदम उठाने की अमेरिका की प्रतिबद्धता दोहराई और अमेरिकी सैन्य बल की मजबूती पर ध्यान दिया। लिंकन एशिया प्रशांत क्षेत्र में है। पहले ही इस क्षेत्र में यूएसएस थियोडोर रूजवेल्ट विमान वाहक स्ट्राइक ग्रुप को बदलने का आदेश दिया गया था, जो मध्य पूर्व से घर की ओर बढ़ना शुरू करने वाला है। पिछले हफ्ते, ऑस्टिन ने कहा था कि लिंकन महीने के अंत तक मध्य कमान क्षेत्र में पहुंच जाएगा। रविवार को यह स्पष्ट नहीं था कि उनके नवीनतम आदेश का क्या मतलब है, या लिंकन कितनी तेजी से मध्य पूर्व की ओर प्रस्थान करेगा। वाहक के पास थ–35 लड़ाकू विमान हैं, साथ ही F/A-18 लड़ाकू विमान भी वाहक पर हैं। राइडर ने यह भी नहीं बताया कि यूएसएस जॉर्जिया निर्देशित मिसाइल पनडुब्बी कितनी जल्दी इस क्षेत्र में पहुंचेगी।

तुर्किये ने इंस्टाग्राम पर लगाया प्रतिबंध हटाया

तुर्किये ने सोशल मीडिया मंच इंस्टाग्राम तक उपयोगकर्ताओं की पहुंच शनिवार को बहाल कर दी। देश के सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी प्राधिकरण ने दो अगस्त को बिना कोई विशेष कारण बताए इंस्टाग्राम तक पहुंच प्रतिबंधित कर दी थी। बाद में सरकारी अधिकारियों ने कहा था कि प्रतिबंध इसलिए लगाया गया, क्योंकि सोशल मीडिया मंच तुर्किये के कानूनों का पालन करने में विफल रहा है। तुर्किये के परिवहन एवं बुनियादी ढांचा मंत्री अब्दुलकादिर उरालोग्लू ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, इंस्टाग्राम के अधिकारियों के साथ बातचीत में हमें आश्वासन दिया गया कि हमारा अनुरोध स्वीकार किया जाएगा, खासतौर पर आपराधिक गतिविधियों से संबंधित अनुरोध। हमसे वादा किया गया कि हम उपयोगकर्ताओं को सेंसर करने के उपायों पर मिलकर काम करेंगे। उरालोगलू ने एक्स पर एक वीडियो साझा करते हुए बताया कि इंस्टाग्राम तुर्किये के कानून का अनुपालन सुनिश्चित करेगा और जिन मामलों में कानून का उल्लंघन किया गया है, उनमें त्वरित एवं प्रभावी हस्तक्षेप करेगा।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।